राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–24 | अंक–06 | दिसम्बर, 2023 | कुल पृष्ठ–28 | मूल्य–₹ 15

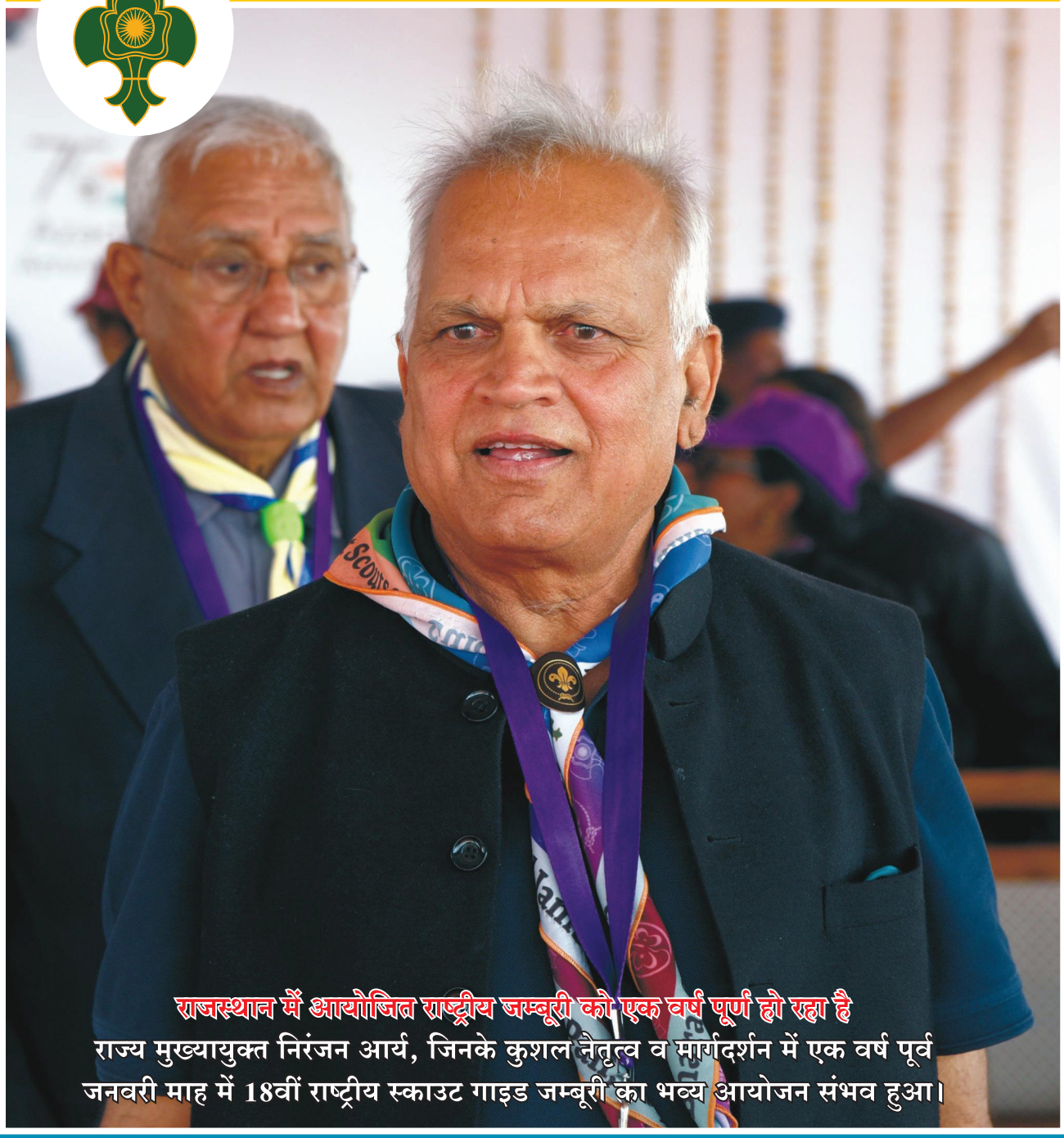

राजस्थान में आयोजित राष्ट्रीय जम्बूरी को एक वर्ष पूर्ण हो रहा है

राज्य मुख्यायुक्त निरंजन आर्य, जिनके कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में एक वर्ष पूर्व जनवरी माह में 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी का भव्य आयोजन संभव हुआ।

मतदान केन्द्रों पर सेवारत स्काउट, गाइड, रोवर व रेंजर

सिरोही

पाली

टोंक

हनुमानगढ़

सवाई माधोपुर

श्रीगंगानगर

करौली

बांसवाड़ा

प्रतापगढ़

करौली

जालोर

राजसमंद

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 24 अंक : 06
दिसम्बर, 2023

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

काना राम, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स–स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति–समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित कुमार मोरोडिया
राज.लेखा सेवा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

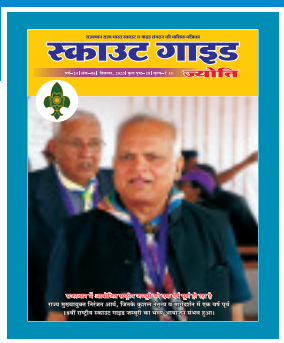

इस अंक में

	विषय	पृष्ठ संख्या
•	दिशाबोध	4
•	संपादकीय	4
•	राजस्थान ने जीते 12 अवार्ड	5
•	फ्लैग स्टीकर विमोचन	6
•	कृत्रिम श्वसन का प्रायोगिक अभ्यास	7
•	स्काउटिंग एवं नेशनल ग्रीन कोर	8
•	शिक्षा में मूल्य शिक्षा की महत्ता	10
•	गतिविधि दर्पण	11
•	शिक्षक के लिए धैर्य	19
•	दक्षता पदक	20
•	हमारा स्वास्थ्य : 10 कारण कि हम करें सूर्य से प्यार	21
•	हमारे महापुरुष : चक्रवर्ती राजगोपालाचारी	22
•	पर्यटन स्थल : तीर्थराज पुष्कर	24
•	गतिविधि पञ्चांग	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क:150/–	1200/–

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

रचनात्मकता उल्लास और साहस

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम ने एक बार जोधपुर में स्कूली बच्चों के बीच बैठकर सफलता के तीन सूत्र बताए – रचनात्मकता, उल्लास और साहस। ये तीनों ही सूत्र स्काउटिंग के मनोविज्ञान में सम्मिलित हैं। स्काउट नित् नये कार्य करता है, नई–नई विधाएं सीखता है। स्काउट गाइड सामुदायिक व शिविर जीवन में जो कुछ देखता व करता है, वह रचनात्मकता है। खुले आसमान के नीचे कलात्मक प्रवेश द्वार बनाना, गीत–संगीत, क्राफ्ट की गतिविधियां सब प्रतिभागियों को रचनात्मक बनाते हैं। कैसा भी मौसम हो बालचरों की उर्जा एवं जोश में कोई कमी नहीं आती, कैसी भी गतिविधि हो इनकी जिंदादिली देखते ही बनती है। दरअसल स्काउटिंग के कार्यक्रम मानव स्वभाव के सहज अंग उल्लास को जीवंत बनाते हैं। और अब बात करें तीसरे सूत्र साहस की। जम्बूरी/जम्बूरेट की तर्ज पर प्रदेश के प्रत्येक मण्डल/जिला द्वारा आयोजित रैलियों में साहस का विशेष अध्याय जुड़ा हुआ है। स्काउटिंग साहसिक गतिविधियों के लिए जानी जाती है। वीर बालचरों के विशाल संगम में साहसिक गतिविधियां प्रतियोगिताओं के रूप में सम्मिलित हैं। स्काउटिंग के पर्वतारोहण, टायर टनल, पायनियर प्रोजेक्ट अभ्यास साहसिक क्रियाकलापों से ओत–प्रोत हैं। हमारा उद्देश्य प्रत्येक बालक को किसी ना किसी गतिविधि में सम्मिलित करना एवं समस्त गतिविधियों से भली भांति परिचित कराना होना चाहिए।

मैं आशा करता हूँ कि आप इस दिशा में अवश्य चिन्तन कर अपने सेवा कार्य की योजना बनाकर उसे क्रियान्वित करने का प्रयास करेंगे और अपनी उपलब्धि से समय–समय पर अवगत करवाते रहेंगे ताकि आपके अनुकरणीय प्रयास से लोग भी प्रेरित हो सकें। आपके प्रयास हेतु हार्दिक मंगलकामनाओं सहित,

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

भारत में स्काउटिंग गाइडिंग तो 1909 से ही प्रारम्भ हो चुकी थी, परन्तु उसका रूप बिखरा हुआ था। अर्थात् भारत की स्वतंत्रता से पूर्व अनेक स्काउट एसोसिएशन संचालित थे, मुख्यतया तीन संगठन क्रियाशील थे। तब महसूस किया गया कि देश में क्रियाशील अलग–अलग संगठनों का एकीकरण किया जाना उचित होगा। इसी एकीकरण की प्रक्रिया को पूरा कर 7 नवम्बर 1950 को इस एकीकृत एसोसिएशन ''भारत स्काउट व गाइड'' के प्रथम राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. हृदयनाथ कुंजरू ने इसका ध्वज दिल्ली में फहरा कर इसकी स्थापना की। इस कारण 7 नवम्बर का दिन संगठन में विशेष महत्व रखता है। इस दिन स्काउट गाइड 'झण्डा स्टीकर' की बिक्री कर आत्मनिर्भरता एवं स्वावलम्बन का परिचय तो देते ही हैं, साथ ही संगठन के आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में अपना योगदान देकर इस दिवस को सार्थकता प्रदान करते हैं।

इसी माह 14 नवम्बर को बच्चों का प्रिय बाल दिवस भी संगठन द्वारा धूमधाम से मनाया गया। दिपावली की छुट्टियों के मध्य बाल दिवस के आयोजन ने उत्सवी माहौल में चार चाँद लगा दिये। ग्रुप स्तर पर आयोजित एक दिवसीय कब–बुलबुल उत्सव में कब–बुलबुल ने सहभागिता कर विभिन्न गतिविधियों, प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम कर बाल दिवस मनाते हुए बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू को याद किया।

भारत की स्काउटिंग का मौलिक स्वरूप बरकरार बनाये रखने हेतु इसके सिद्धान्तों के अनुसरण और अनुशासन का विशेष ध्यान रखना है। हमें अपने अग्रजों के बताये रास्ते पर बढ़ते जाना है, तभी हम 'भारत स्काउट व गाइड' के वर्तमान स्वरूप के निर्माण में सहायक पं. मदनमोहन मालवीय, श्रीराम वाजपेयी, डॉ. हृदयनाथ कुंजरू, लक्ष्मी मजूमदार, एनीबेसेन्ट आदि स्काउट गाइड मनीषियों से जो कुछ मिला है उसे अक्षुण्य रख सकेंगे।

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

राजस्थान ने जीते 12 अवार्ड

रोवर, स्काउट, कब व रेंजर की गणना वृद्धि में राजस्थान राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम

राजस्थान प्रदेश स्काउट गाइड संगठन के लिए अत्यन्त हर्ष का विषय है कि भारत स्काउट व गाइड की राष्ट्रीय परिषद के नई दिल्ली में आयोजित अधिवेशन के अवसर पर राजस्थान राज्य को वर्ष 2022–23 में राष्ट्रीय स्तर पर रोवर, स्काउट, कब व रेंजर विभागों की गणना वृद्धि में प्रथम स्थान प्राप्त होने के उपलक्ष्य में शील्ड प्रदान की गई। सम्पूर्ण देश में समग्र गणना वृद्धि में राजस्थान का द्वितीय स्थान रहा। इनके अतिरिक्त गाइड व बुलबुल गणना वृद्धि में राजस्थान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। फलस्वरूप स्काउट व गाइड विभाग की चीफ नेशनर कमिश्नर शील्ड में राजस्थान का द्वितीय स्थान रहा।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की ओर से उपरोक्त सभी पुरस्कार प्रदेश संगठन के राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्ना लाल एवं कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री सुयश लोढ़ा ने प्राप्त किये।

राष्ट्रीय स्तर पर सत्र 2022-23 में राजस्थान को प्राप्त अवार्ड

क्र.सं.	अवार्ड	विभाग	स्थान
1.	गणना वृद्धि	रोवर	प्रथम
2.	गणना वृद्धि	स्काउट	प्रथम
3.	गणना वृद्धि	कब	प्रथम
4.	गणना वृद्धि	रेंजर	प्रथम
5.	गणना वृद्धि	गाइड	तृतीय
6.	गणना वृद्धि	बुलबुल	तृतीय
7.	गणना वृद्धि	समग्र	द्वितीय
8.	चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड	स्काउट विभाग	द्वितीय
9.	चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड	गाइड विभाग	द्वितीय
10.	लक्ष्मी मजूमदार अवार्ड – स्काउट	कुन्डोज किड्स स्कूल, भीलवाड़ा	द्वितीय
11.	लक्ष्मी मजूमदार अवार्ड – रोवर	मरूधर ओपन रोवर क्रू, सीकर	द्वितीय
12.	लक्ष्मी मजूमदार अवार्ड – गाइड	महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल, उदयपुर	तृतीय

फ्लैग स्टीकर विमोचन

भारत स्काउट व गाइड, मण्डल/जिला मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में दिनांक 07.11.2023 को भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस पर झण्डा स्टीकर के विमोचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) दामोदर प्रसाद शर्मा व सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) नीता शर्मा द्वारा शिक्षा शासन सचिव श्री नवीन जैन से उनके आवास पर, जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित से जिला कलेक्ट्री कार्यालय में, शांति एवं अहिंसा निदेशालय के मनीष शर्मा, राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर लोकेश मीना द्वारा उनके कार्यालय में झण्डा स्टीकर का विमोचन करवाया गया।

संगठन अधिकारियों ने सभी पदाधिकारियों को स्टीकर लगाया जिसके फलस्वरूप महानुभावों ने अपना अंशदान देकर संगठन को आर्थिक सहयोग प्रदान करते हुए स्टीकर बिक्री हेतु जारी किया।

इस अवसर पर सभी प्रबुद्ध जन ने स्काउट गाइड संगठन के सदस्यों को स्थापना दिवस की बधाई दी और जन सामान्य को स्टीकर वितरण हेतु संदेश दिया। सी.ओ. स्काउट जयपुर शरद कुमार शर्मा व सी. ओ. गाइड इन्दु तंवर ने इस कार्यक्रम में उपस्थित रहकर विमोचन के आयोजन में सहयोग किया। राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) पूरण सिंह शेखावत तथा कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुयश लोढ़ा भी इस मौके पर उपस्थित रहे।

विशेष

कृत्रिम श्वसन का प्रायोगिक अभ्यास

रोवर्स को डमी के माध्यम से कृत्रिम श्वसन क्रिया का प्रायोगिक अभ्यास करवाया गया

डॉ. एन.डी. मिश्रा ने बताया कि समय पर प्राथमिक उपचार किया जाए तो हजारों लोगों की जान बचाई जा सकती है।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में जिला स्तरीय निपुण रोवर प्रशिक्षण शिविर के दौरान दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों को कृत्रिम सांस देकर श्वसन क्रिया वापस लाने के विभिन्न तरीकों के बारे में 10 नवम्बर को लायंस क्लब सनराइज सीकर, जैन सीपीआर ट्रेनिंग स्कूल सीकर द्वारा शिविरार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कराने का उद्देश्य था कि स्काउट गाइड अपने जीवन में अधिक से अधिक लोगों की जान बचा सकें।

इस अवसर पर डॉ. एन.डी. मिश्रा व महावीर प्रसाद ने दुर्घटना में बेहोश व्यक्तियों को किस प्रकार से प्राथमिक सहायता उपलब्ध करवा कर जान बचाई जा सके, के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। मानव डमी के माध्यम से कृत्रिम श्वसन क्रिया किस प्रकार से प्रदान की जाए, का प्रायोगिक अभ्यास करवाया।

इस अवसर पर डॉ. मिश्रा ने बताया कि कम से कम समय में दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को प्राथमिक सहायता प्रदान करनी चाहिए और इसके लिए स्काउट गाइड हमेशा ही लगातार अपनी अग्रणी भूमिका निभाते रहते हैं। शिविर के दौरान पायनियरिंग प्रोजेक्ट बनाना, विभिन्न प्रकार के स्ट्रेचर तैयार करना, निपुण का पाठ्यक्रम, सामुदायिक सेवा, समाज सेवा ट्रैकिंग, दिशा ज्ञान सहित अनेक प्रकार का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शांति एवं सदभावना के लिए सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट, तोदी महाविद्यालय लक्ष्मणगढ़, मरुधर ओपन रोवर कू जिला मुख्यालय सीकर, भगत सिंह ओपन रोवर कू कोलीड़ा, डॉ. कलाम ओपन रोवर कू पचार, राजकीय विज्ञान महाविद्यालय सीकर के रोवर्स, मोहनलाल सुखाड़िया रोवर लीडर, इमरान, ओमप्रकाश पारीक, देवीलाल जाट सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

CELEBRATIONS DAYS : JANUARY 2024

10 January	:	World Hindi Day
12 January	:	National Youth Day
23 January	:	Subhash Chandra Bos Jayanti
24 January	:	National Girld Child Day
25 January	:	National Voters Day
26 January	:	Republic Day
30 January	:	Shahid Diwas (Gandhi ji)
04 February	:	World Cancer Day
22 February	:	Baden Pawell Day & Thinking Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

पर्यावरण संरक्षण को समर्पित :

स्काउटिंग एवं नेशनल ग्रीन कोर

लॉर्ड बेडेन पॉवेल ने स्काउटिंग की परिकल्पना प्रकृति और पर्यावरण के बीच युवक–युवतियों को जिन्दगी के वास्तविक पहलुओं से अवगत कराते हुए अनेक प्रकार के प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई एक पहल थी।

हम सभी पर्यावरण का अभिन्न अंग हैं इसके बिना हमारा जीवन संभव नहीं है। वर्तमान की स्थिति दर्शाती है कि हमने पर्यावरण की बड़ी अनदेखी की है। ज्यादातर पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान हमारे जीवन शैली में तथा सोचने के ढंग में बदलाव से मिल सकता है परन्तु लाखों लोगों की सोच बदलकर उनकी आदतों में बदलाव लाना एक बहुत बड़ी चुनौती है।

ऐसा माना जाता है कि बच्चे अपने प्रारम्भिक वर्षों में जानकारियों व सन्देशों के प्रति काफी ग्रहणशील होते हैं, साथ ही उनमें अपने आस–पास के लोगों को प्रेरित करने की अद्भुत क्षमता होती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने नेशनल ग्रीन कोर कार्यक्रम की शुरूआत की है। इस कार्यक्रम को एन.जी.सी. के नाम से भी जाना जाता है, जिसमें स्कूली बच्चे पृथ्वी संरक्षण अभियान के संचालक के रूप में कार्य करते हैं। वर्ष 2001–2002 में शुरू हुए इस एन.जी.सी कार्यक्रम में 1,00,000 से भी ज्यादा स्कूल, अधिकाधिक शिक्षक व 40 लाख से भी ज्यादा विद्यार्थी पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। एन.जी.सी कार्यक्रम पूरे देश में इको क्लबों के माध्यम से संचालित किया जा रहा है।

राजस्थान में नेशनल ग्रीन कोर (एन.जी.सी.)

प्रदेश में एन.जी.सी. की शुरूआत वर्ष 2001 में हुई। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के तत्कालीन स्टेट चीफ कमिश्नर श्री अतुल कुमार गर्ग के प्रयासों से भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने प्रदेश में एन.जी.सी. के संचालन हेतु स्काउट गाइड संगठन को नोडल एजेन्सी नियुक्त किया। योजना के तहत स्काउट गाइड संगठन द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जिले में 500 के हिसाब से कुल 16 हजार 5 सौ विद्यालयों में इको क्लब स्थापित किये गये हैं, जो सक्रिय रूप से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं। भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की इस महत्वाकांक्षी योजना के संचालन का दायित्व स्काउट गाइड संगठन को मिलना और निरन्तर 22 वर्षों से राजस्थान में एन.जी.सी. गतिविधियाँ अन्य प्रदेशों की तुलना में अच्छी चलना इस संगठन की उपादेयता को सिद्ध करता है। राजस्थान में मंत्रालय द्वारा सेन्टर फॉर इन्वायरनमेंट एजुकेशन को राज्य रिसोर्स एजेंसी बनाया गया है।

एन.जी.सी कार्यक्रम का उद्देश्य

- स्कूली बच्चों को स्वयं करके देखने के अनुभवों द्वारा उनके आस–पास के पर्यावरण से जुड़ी, उसमें होने वाली अन्तःक्रियाओं और समस्याओं के बारे में जानकारी प्रदान करना।
- विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेक्षण, प्रयोग, सर्वेक्षण, जानकारी एकत्रण, विश्लेषण तथा विवेचन जैसे कौशल विकसित करना।
- सामाजिक समूहों के साथ परस्पर क्रिया के द्वारा पर्यावरण और उसके संरक्षण के बारे में उचित दृष्टिकोण विकसित करना।
- क्षेत्र भ्रमण और प्रदर्शन गतिविधियों द्वारा बच्चों में पर्यावरण एवं विकास के मुद्दों के बारे में संवेदनशीलता लाना।
- बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण द्वारा सही चुनाव हेतु तार्किक व स्वतंत्र सोच को बढ़ावा देना।
- बच्चों को पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्य परियोजनाओं में शामिल कर उन्हें प्रेरित करना।

विद्यालयों में एन.जी.सी इको क्लब

पाठ्यक्रम में पर्यावरण शिक्षा अनिवार्य रूप में पढ़ाई जाती है, जिसमें इको क्लब की गतिविधियां एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एन.जी.सी कार्यक्रम से जुड़ने वाले विद्यालय, शिक्षक प्रभारी का चयन व इको क्लब का गठन करते हैं। एक इको क्लब में 30 से 50 और कभी–कभी इससे भी ज्यादा विद्यार्थी हो सकते हैं। इको क्लब के गठन के दौरान विभिन्न कार्यों के लिए पदाधिकारी चुने जाते हैं जिसमें सचिव, अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष व जनसम्पर्क प्रभारी होते हैं। बाकी सभी विद्यार्थी सदस्य के रूप में कार्य करते है। इको क्लब में शामिल विद्यार्थियों को जहाँ

एक ओर पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में सोच–विचार करने का अवसर मिलता है वहीं उन्हें बहुत से कौशल भी सीखने को मिलते हैं। वे समूह में संगठित होकर काम करना सीखते हैं और साथ ही उनमें नेतृत्व क्षमता भी विकसित होती है। वे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को दर्शा पाते हैं वहीं समस्याओं का समाधान खोजना भी सीखते हैं।

इको क्लब की गतिविधियाँ

प्रभारी शिक्षक द्वारा पर्यावरण विषय में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को शामिल करते हुए इको क्लब का गठन किया जाता है। प्रत्येक इको क्लब अपने क्लब का कोई नाम जैसे– पृथ्वी संरक्षक, इको गुरू, हरियाली आदि रखते हैं तथा एक प्रतीक चिन्ह भी तैयार करते हैं। प्रत्येक क्लब बैठक में सारे सदस्यों के मिलने पर ली जाने वाली प्रतिज्ञा भी बनाते है। क्लब की बैठक प्रत्येक सप्ताह में एक बार होती है

जिसमें सभी सदस्य मिलकर की गई गतिविधि व आगामी कार्य योजना पर चर्चा करते है। प्रत्येक बैठक की आख्या तैयार करते हैं, जिसे प्रभारी शिक्षक के दिशा–निर्देश में अंतिम रूप दिया जाता है।

इसके साथ क्लब के सदस्य स्थानीय पर्यावरणीय मुद्दों के आधार पर वर्ष के दौरान की जाने वाली गतिविधियों का नियोजन करते हैं। इको क्लब की गतिविधियाँ निम्न 3 स्तरों के अनुसार की जा सकती हैं :

प्रथम स्तर

पर्यावरणीय जागरूकता

स्कूल के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आस–पास के लोगों में स्थानीय पर्यावरणी मुद्दों के बारे में चेतना जगाना। उदाहरण : गौरया बचाओ अभियान, जल संरक्षण रैली, पर्यावरण विषय पर प्रतियोगिताएं, ऊर्जा संरक्षण पर नुक्कड़ नाटक, कचरा प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान आदि। पर्यावरणीय दिवसों जैसे : 22 मार्च को होने वाला विश्व जल दिवस, 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस, 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस, 16 सितम्बर ओज़ोन दिवस आदि को स्कूल स्तर पर मनाना। सांस्कृतिक पर्वो को जैसेः रक्षा बन्धन, होली आदि को पर्यावरण मित्र तरीके से मनाना।

द्वितीय स्तर

प्रेक्षण व विश्लेषण

स्थानीय पर्यावरण व उसकी समस्याओं की स्थिति, गुणवत्ता तथा मुद्दों पर सर्वेक्षण कर जानकारी एकत्र कर उसका विश्लेषण करना। उदाहरणः स्कूल परिसर का जैवविविधता रजिस्टर, ऊर्जा व जल का ऑडिट, प्रदर्शनी आदि। जनपद के आस–पास स्थित तालाब, पक्षी विहार, वन संरक्षित क्षेत्र आदि स्थलों का भ्रमण आयोजित करना। साथ ही इको क्लब के छात्र उनके द्वारा शोध किये गये किसी विषय पर समाचार पत्र में या किसी अन्य पत्रिका में लेख भेज सकते हैं।

तृतीय स्तर

पर्यावरणीय सुधार के लिए कार्यवाही

ऐसी कार्यवाही परियोजनाओं को लागू करना जिससे स्कूल परिसर व उसके आस–पास सकारात्मक बदलाव दर्शाया जा सके। उदाहरणः वर्षा जल संचयन, कचरे से खाद बनाना, देसी पौध प्रजातियों का रोपण व उसकी देखभाल आदि। किसी प्राकृतिक या सांस्कृतिक धरोहर स्थल को देखभाल के लिए अपनाना, परिसर से निकलने वाले बेकार पानी के लिए सोख्ता गड्डा बनाना, स्कूल परिसर को पॉलीथिन मुक्त बनाना आदि।

शिक्षा में मूल्य शिक्षा की महत्ता

◇ सरदार सिंह चारण
व्याख्याता, डाईट जालोर

आज व्यापक रूप से अनुभव किया जा रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों ने न केवल हमारी सार्थक उपयोगी परम्परा को आघात पहुँचाया हैं बल्की बच्चों के मस्तिष्क को अराजक बनाने और कुंद करने का काम भी किया है। इनके माध्यम से मनोरंजन के नाम पर भोंडी अश्लील एवं घटिया सामग्री का प्रसारण हो रहा है। वह किसी से छिपा नहीं है। युवा मस्तिष्क को अराजक अनैतिक बनाने में इसके प्रभाव को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार मस्तिष्क का विकास पन्द्रह वर्ष की आयु तक होता है। इस आयु तक हम चाहे जैसी धारणाओं एवं प्रतिबद्धताओं को बालमन में बिठा सकते हैं।

आज मानव के जीवन में भौतिक सुख सुविधा एवं समृद्धि के नाम पर सब कुछ है, ज्ञान–विज्ञान व कौशल की उसके पास अंश मात्र भी कमी नही है किन्तु नैतिक मूल्यों की कसौटी पर स्थिति घोर दिवालियेपन की है। पाठ्यक्रमों में नैतिक शिक्षा नाम मात्र की ही रह गयी है। नैतिकता एवं मूल्यहीनता के इस साये में पल रही पीढ़ी से हम उच्च आदर्शों एवं मूल्यों के संरक्षण एवं संर्वद्धन की उम्मीद कैसे कर सकते हैं जो अपने राष्ट्र व संस्कृति का नाम गौरवान्वित कर सके।

बालकों के शिक्षा एवं संस्कारों का गुरूत्तर दायित्व शिक्षण संस्थाओं का है लेकिन वे किस हद तक इसे पूरा कर पा रहे हैं, यह भी शिक्षकों से छिपा नही है। शिक्षा का मूल उद्देश्य बालक के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास है, जो शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं भावात्मक चारों पक्षों से मिलकर बनता है, किन्तु देश का दुर्भाग्य है कि इन चारों पक्षों का समावेश आज की शिक्षा प्रणाली में नही हैं। वर्तमान शिक्षा से बालक को एक कुशल इंजीनियर, डॉक्टर, अधिकारी, वैज्ञानिक तो बनाया जा सकता है, लेकिन उनमें समाज एवं राष्ट्र से संवेदनात्मक जुड़ाव पैदा नहीं किया जा सकता। वास्तव में आज शिक्षा पूर्णतः व्यवसाय बनकर रह गई है, जिसमें व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का पक्ष सर्वथा उपेक्षित पड़ा है। शिक्षक मात्र शिक्षा देने का एक सूत्रीय कोरम पूरा कर रहा है। आज की विद्यालयी शिक्षा बालकों के शारीरिक व बौद्धिक विकास को बढ़ाने पर ध्यान दे रही है, लेकिन बालक का भावात्मक एवं मानसिक विकास पूर्णतया उपेक्षित हैं। इस शैक्षिक असन्तुलन की स्थिति में बालक के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकसित होने की कल्पना नहीं की जा सकती। स्कूलों, कॉलेजों में शारीरिक व बौद्धिक विकास को सीमा से बाहर तक ले जाने वाले शिक्षकों की नियुक्ति होती है, किन्तु बाकी दो को शिक्षा व पाठ्यक्रमों में अनदेखा किया जा रहा हैं।

आज हर अभिभावक चाहता है कि उसका बच्चा चरित्रवान हो, संयमित हो और अनुशासित हो। लेकिन न तो आज के शिक्षाविद न ही अभिभावक यह सोचने का कष्ट करते हैं कि इस मौजूदा शिक्षा प्रणाली में चारीत्रिक नैतिक विकास के बीज हैं भी या नहीं.....आखिर क्यों! आज की शिक्षा से मनुष्यतामूलक परिणाम नहीं निकल पा रहें हैं। शिक्षा के सन्दर्भ में इस पक्ष ने शिक्षाविदों को विचार मंथन के लिए प्रेरित किया है। इसी का परिणाम है कि आजादी के बाद भारत में जितने भी शिक्षा आयोग बने हैं सभी में मूल्य शिक्षा को लागू करने की और ध्यान दिलाया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी विश्वविद्यालयो में गिरावट को अनैतिकता की तराजू पर तोलकर शिक्षा के सही मूल्यांकन के लिए 1985 में एक कार्य समूह का गठन किया व उसकी सिफारिश पर ही आयोग ने नैतिक शिक्षा संबंधी पाठ्यक्रम बनाया। शिक्षा में मानवीय मूल्यों के पतन के कारण ही समाज में अपराध, शोषण, उत्पीड़न, युद्ध इत्यादी की घटनाऐं बढ़ रही हैं। आए दिन सतह पर उठ रही पारिवारिक हिंसा भी उसी की देन है। आधुनिक जीवन शैली पर भोगवाद प्रधान प्रवृत्ति का ही आधिपत्य दिखता है। इसी कारण ऐश्वर्य एवं सुख की प्रबल इच्छा लोगों में इस कदर छाई है कि वे सही गलत का उचित–अनुचित का फर्क नहीं कर पा रहे हैं।

समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार को एक तरह से सामाजिक स्वीकृती मिल जाना हमारी नैतिक संवेदना के कुंद होने का सबल प्रमाण है। आज व्यापक रूप से अनुभव किया जा रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों ने न केवल हमारी सार्थक उपयोगी परम्परा को आघात पहुँचाया हैं बल्की बच्चों के मस्तिष्क को अराजक बनाने और कुंद करने का काम भी किया है। इनके माध्यम से मनोरंजन के नाम पर भोंडी अश्लील एवं घटिया सामग्री का प्रसारण हो रहा है। वह किसी से छिपा नहीं है। युवा मस्तिष्क को अराजक अनैतिक बनाने में इसके प्रभाव को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार मस्तिष्क का विकास पन्द्रह वर्ष की आयु तक होता है। इस आयु तक हम चाहे जैसी धारणाओं एवं प्रतिबद्धताओं को बालमन में बिठा सकते हैं। गुरूकूलीय शिक्षा में श्रेष्ठ संस्कार एवं चरित्र की जीवन भर लहलहाने वाली फसल का बीजारोपण इसी नाजुक दौर में किया जाता था।

आज हमें आवश्यकता है कि हम समय रहते चेत जायें और बालक के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण व विकास हेतु शून्य पड़े क्षेत्रों में भी अपनी सक्रियता दिखायें तथा एक सुन्दर सुसंस्कारित भावी पीढ़ी तैयार कर देश को सोंपे, तभी देश समाज व व्यक्ति का विकास होगा। यही समय की मांग है व समाज में व्याप्त समस्त समस्याओं का हल भी है।

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर मण्डल

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भीलवाड़ा के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर में संचालित स्काउट ट्रुप, गाइड कंपनी के स्काउट गाइड ने 7 नवम्बर को वयोवृद्ध स्काउट लीडर मदनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) प्रेम शंकर जोशी की अध्यक्षता में स्काउट गाइड का 74वां स्थापना दिवस फूलों से स्काउट चिन्ह बनाकर उसके सामने अपने एवं अपने देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करने, दूसरों की सहायता करने एवं स्काउट गाइड नियमों का पालन करने की प्रतिज्ञा

का दोहरान कर मनाया। श्री जोशी ने स्थापना दिवस पर सभी स्काउट गाइड को समाज की कुरीतियों के विरुद्ध जन जागरूकता फैलाने, वृद्धजनों की सेवा करने एवं आगामी विधानसभा चुनाव में दिव्यांग व असहाय मतदाताओं के सहयोग हेतु मतदान बूथ पर वॉलियंटर के रूप में सेवाएं देने एवं अपने गली मोहल्ले से शत प्रतिशत मतदान हेतु सभी को प्रेरित करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर विद्यालय की गाइड कैप्टन संगीता व्यास, स्काउट प्रभारी प्रेम शंकर जोशी तथा राष्ट्रपति, राज्य पुरस्कार, तृतीय सोपान, द्वितीय सोपान प्राप्त स्काउट गाइड उपस्थित थे।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) पूरण सिंह शेखावत, सहायक राज्य संगठन आयुक्त विनोद दत्त जोशी द्वारा नवसृजित ब्यावर जिले के नवनिर्मित स्काउट गाइड जिला कार्यालय का 03 नवम्बर 2023 को अवलोकन किया गया। ब्यावर जिले के लीडर ट्रेनर विनोद कुमार मेहरा ने सभी आगंतुकों का सम्मान किया तथा बताया की सभी अधिकारियों ने अवलोकन के बाद नवसृजित ब्यावर जिले को आगे बढ़ाने के लिए सभी स्काउटर व गाइडर को साथ मिल कर काम करने व बालचर गतिविधियों को विद्यालय स्तर तक पहुंचाने पर बल दिया। राज्य पदाधिकारियों ने स्काउट गाइड प्रशिक्षण स्थल हेतु आवंटित भूमि का भी अवलोकन कर

आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर ब्यावर जिले के संरक्षक जफरूराम भाटी, लीडर ट्रेनर विनोद कुमार मेहरा, सहायक राज्य कमिश्नर विमल चौहान, स्काउटर गोपाल शर्मा, स्काउटर मनोहर सोलंकी, स्काउटर विष्णु दत्त गोयल, स्काउटर सुरेश फुलवारी, गाइडर पूनम चौधरी आदि उपस्थित रहे।

नागौर में भारत स्काउट गाइड के स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा जारी स्टीकर का विमोचन जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव, एडीएम राकेश गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार, सीबीईओ मारवाड़ मुंडवा माना

राम पचार द्वारा किया गया। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट मोह. अशफाक पंवार सहित अन्य पदाधिकारी स्काउटर गाइडर रोवर रेंजर आदि उपस्थित रहे।

भरतपुर मण्डल

भरतपुर में जिला कलक्टर लोकबन्धु जी के कर कमलों से स्काउट गाइड स्टीकर का विमोचन करवाया गया। इस अवसर पर रतनलाल स्वामी अतिरिक्त जिला कलक्टर, दाताराम मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बीना महावर आयुक्त नगर निगम, भारती भारद्वाज सहायक निदेशक लोक सेवाएँ, प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग, हरिओम सिंह गुर्जर जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी, अनित कुमार शर्मा मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, प्रेमसिंह कुन्तल जिला शिक्षा

अधिकारी माध्यमिक शिक्षा, आर.डी. बंसल जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा भी उपस्थित थे। स्काउट गाइड संगठन के स्थापना दिवस पर आम नागरिकों एवं जनसामान्य को स्काउट गाइड संगठन के उद्देश्य, नीति, सिद्धान्त एवं सामाजिक उपयोगिता सम्बन्धी जानकारी देकर प्रचार प्रसार की दृष्टि से रामजस लिखाला सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) के नेतृत्व में सीमा रिजवी सी.ओ. (गाइड) एवं देवेन्द्र कुमार मीना सी.ओ. (स्काउट) के सान्निध्य में रोवर स्काउट एवं रेंजर गाइड द्वारा कलक्ट्रेट स्थित सभी राजकीय कार्यालयों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्काउट गाइड स्टीकर प्रदान कर सहयोग राशि एकत्रित की गई।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला करौली में भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस पर जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने भारत स्काउट गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा जारी किए गए स्टीकर का विमोचन किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने करौली जिले के सभी संस्था प्रधानों को स्टीकर विक्रय में पूर्ण सहयोग करने हेतु कहा। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि भारत स्काउट एवं गाइड के 74वें स्थापना दिवस पर भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा आपदा राहत के लिए आरक्षित कोष में राशि जमा हेतु प्रतिवर्ष स्काउट गाइड स्टिकर का विमोचन महामहिम राष्ट्रपति के द्वारा करवाया जाता है एवं जिला मुख्यालय पर जिला कलक्टर द्वारा स्टीकर का विमोचन किया जाता है। इस अवसर पर जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने सभी स्काउट गाइड स्काउटर और गाइडर एवं स्काउट गाइड पदाधिकारी को स्काउट गाइड के 74वें स्थापना दिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी एवं कहा की स्काउट गाइड

सेवा का पर्याय है उन्हें पीड़ित मानव एवं प्राकृतिक आपदा के समय बढ़कर सेवाएं प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने स्काउट गाइड से अपील की कि वह 80 वर्षों से अधिक उम्र के वृद्धजन मतदाता एवं दिव्यांग मतदाताओं को आगामी विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान हेतु प्रेरित करें। उन्होंने स्काउट गाइड से कहा कि वह घर–घर जाकर मतदाताओं को करौली जिले में शत प्रतिशत मतदान हेतु प्रेरित करें जिससे करौली जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ सके।

इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कुमार गौतम ने जिला कलक्टर को संगठन का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया एवं स्टीकर अभियान की सफल क्रियान्विति का आश्वासन दिया। अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रजनी गोयल, सचिव स्थानीय संघ करौली मुकेश कुमार सारस्वत, स्काउटर ब्रजकिशोर शर्मा, शिव सिंह सेंगर, देवेंद्र कुमार शर्मा, दीनदयाल सिंह, राजेश कुमार शर्मा, सोहनलाल, गाइडर सपना सारस्वत, अनुराधा शर्मा, राज्य पुरस्कार रोवर लवकुश मंगल, मदन गोपाल शर्मा, निलेश जंगम, दयाराम मीणा, निकिन कमा जाटव एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय करौली 31वां स्वतंत्र रोवर स्काउट ग्रुप करौली के रोवर रेंजर उपस्थित थे।

- सवाई माधोपुर में भारत स्काउट गाइड के स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा जारी फ्लैग स्टीकर का विमोचन जिला कलक्टर सुरेश कुमार ओला, पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल, श्वेता गुप्ता जिला सचिव जिला विधिक

सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर एवं गोविंद बंसल मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सवाई माधोपुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर अन्य पदाधिकारी, स्काउटर, गाइडर, रोवर, रेंजर आदि उपस्थित रहे।

बीकानेर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चूरू के तत्वावधान में स्काउट गाइड झण्डा दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर सिद्धार्थ सिहाग, जिला पुलिस अधिक्षक प्रवीण नायक एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर लोकेश गौतम ने राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा जारी स्टीकर का विमोचन किया एवं स्काउट गाइड आन्दोलन को अपनी शुभकामनाएं दी। जिला कलक्टर

सिद्धार्थ सिहाग ने कहा कि स्काउट गाइड आन्दोलन विश्व के सबसे बड़े एन.जी.ओ. के रुप में हमारे बालक बालिकाओं को सुनागरिकता की शिक्षा प्रदान करता है। उन्होंने जनसाधारण से झण्डा दिवस पर सहयोग का आह्वान करते हुए जिले के प्रत्येक विद्यालय/महाविद्यालय में स्काउट गाइड गतिविधि को अनिवार्य रुप से संचालित करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक ने भी स्काउट गाइड आन्दोलन को अपनी शुभकामनाएँ दी।

सी.ओ. स्काउट महिपाल सिंह तँवर ने बताया कि 07 नवम्बर 1950 को भारत में संचालित स्काउट गाइड के विभिन्न संगठनों का एकीकरण हुआ और भारत स्काउट गाइड की स्थापना हुई। देश के स्काउट गाइड इस दिन को झण्डा दिवस के रुप में मनाते हैं। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी जगबीर सिंह यादव, जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक शिक्षा निसार अहमद खान, सी.ओ. स्काउट महिपाल सिंह तंवर, स्थानीय संघ के सचिव नारायण सिंह बिरमी, स्काउटर ओमप्रकाश एवं स्काउट गाइड व रोवर रेंजर उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, बीकानेर के तत्वावधान में भारत स्काउट व गाइड के 74 वें स्थापना दिवस 7 नवम्बर 2023 को राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा जारी स्टीकर का विमोचन संभागीय आयुक्त उर्मिला राजोरिया द्वारा किया गया। श्रीमती राजोरिया ने प्रथम स्टीकर क्रय कर स्थापना दिवस की बधाई दी। सहायक राज्य संगठन आयुक्त मानमहेन्द्र सिंह भाटी ने बताया कि फ्लेग बिक्री के अभियान में भगवती प्रसाद कलाल जिला कलक्टर, जे.पी. गौड़ अतिरिक्त जिला कलक्टर, ओ.पी. विश्नोई अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने फ्लैग क्रय कर

अभियान को गति प्रदान की। सी.ओ. गाइड ज्योतिरानी महात्मा ने बताया कि रोवर नवीन कुमार जिन्दल, रब्बान कोहरी, चन्द्रशेखर, जुगल किशोर, विजेन्द्र नायक और राजकीय महाविद्यालय की रेंजर निकिता, कुसुमलता एवं लक्ष्मी ने राजकीय अधिकारी, जिला कलक्टर कार्यालय के अन्य कार्मिक एवं आमजन को स्टीकर विक्रय कर स्थापना दिवस की जानकारी प्रदान की। सहा. राज्य संगठन आयुक्त ने बताया की शिक्षण संस्थानों, आमजन एवं स्काउट गाइड के माध्यम से फ्लैग स्टीकर विक्रय कर अभियान चलाया जाएगा। इससे प्राप्त राशि आपदा के समय सहयोग हेतु राज्य, राष्ट्र एवं जिला स्तर पर उपयोग में ली जाती है। इस हेतु जिला कलक्टर ने आदेश प्रसारित किए हैं। इस अवसर पर आशानन्द कल्ला, मो.रियाज, जगदीश किराडु, महेश शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, योगेश स्वामी, घनश्याम स्वामी आदि ने फ्लैग क्रय कर अभियान को गति प्रदान की।

- श्रीगंगानगर में जिला कलक्टर अंशदीप जी ने 7 नवंबर 2023 को स्काउट गाइड के स्थापना दिवस पर स्काउट गाइड फ्लैग स्टीकर का किया विमोचन। सी.ओ. स्काउट इन्द्राज

सुथार ने बताया कि इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर, उपखंड अधिकारी श्रीगंगानगर भी उपस्थित रहे।

जयपुर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में 7 नवम्बर को भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के तहत बसंत कुमार लाटा सी. ओ. स्काउट सीकर, प्रियंका कुमारी सी.ओ. गाइड सीकर, महेंद्र कुमार पारीक सचिव सीकर के नेतृत्व में स्काउट गाइड सदस्य जिला कलक्टर आवास पर पहुंचे। वहां पर सौरभ स्वामी जिला कलक्टर एवं परिस देशमुख पुलिस अधीक्षक सीकर ने भारत स्काउट गाइड के राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा जारी किए गए स्टिकर का विमोचन किया एवं स्काउट गाइड सदस्यों का उत्साह वर्धन करते हुए अपनी ओर से अंशदान भी प्रदान किया। श्री स्वामी ने समाज सेवा में किए जाने कार्यों के लिए स्काउट गाइड को शाबाशी दी एवं सीकर जिले के स्काउट गाइड को स्थापना दिवस पर बहुत–बहुत शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि विगत 74 वर्षों से भारत

स्काउट गाइड के सदस्य लगातार समाज के लिए जो कार्य कर रहे हैं उनका कोई सानी नहीं है, जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। श्री देशमुख ने स्काउट गाइड को शुभकामना देते हुए स्काउट गाइड के उज्जवल भविष्य की कामना की।

उसके बाद सीकर शहर में जनसाधारण, गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों, प्रबुद्ध जनों, प्रशासन के अधिकारियों को स्काउट गाइड का स्टीकर प्रदान कर रू.10 आर्थिक सहयोग प्राप्त किया एवं स्काउट गाइड गतिविधियों संबंधी जानकारी प्रदान की। स्काउट गाइड जिला मुख्यालय पर रंगोली, भाषण नारा लेखन, आपदा प्रबंधन के साथ श्रमदान, स्काउट गाइड गतिविधियों का प्रदर्शन, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अनेक कार्यक्रम किए गए।

कार्यक्रम में संगीता खीचड़ रेंजर लीडर ग्रामीण महिला पी जी कॉलेज शिवसिंहपुरा, मोहनलाल सुखाड़िया रोवर लीडर मरुधर ओपन रोवर क्रू, देवीलाल जाट स्काउट मास्टर, ओमप्रकाश रेगर स्काउट मास्टर, ओम प्रकाश पारीक, तोदी महाविद्यालय लक्ष्मणगढ़, भगत सिंह ओपन रोवर क्रू कोलीड़ा, मरुधर ओपन क्रू, जिला मुख्यालय, सीकर डॉक्टर कलाम ओपन रोवर ग्रुप, राजकीय विज्ञान महाविद्यालय सीकर के रोवर, श्री कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर के स्काउट एवं श्री कल्याण कन्या महाविद्यालय सीकर, ग्रामीण महिला पीजी कॉलेज शिवसिंहपुरा, पद्मिनी ओपन रेंजर टीम सीकर की रेंजर्स ने भाग लिया।

आदर्श विद्या निकेतन कोलीड़ा द्वारा कोलीड़ा गांव में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उसके साथ–साथ जिला सीकर व नीम का थाना के स्थानीय संघों द्वारा अनेक जगह भारत स्काउट गाइड की स्थापना दिवस के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पूर्व संध्या पर विभिन्न जगह दीप उत्सव का आयोजन भी किया गया।

अलवर में भारत स्काउट गाइड के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर अविचल चतुर्वेदी ने फ्लैग स्टीकर का विमोचन कर सभी को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर नेकीराम जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक / प्रारंभिक अलवर, सी.ओ. स्काउट राजेंद्र मीणा, सी.ओ. गाइड कल्पना शर्मा, तथा रोवर्स व रेंजर्स उपस्थित थे।

भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, नीमकाथाना व उदयपुरवाटी की संयुक्त प्रतियोगिता रैली का पांचवें दिवस सर्वधर्म सभा प्रार्थना के साथ समापन हुआ। विभिन्न धर्मों के स्काउट्स व गाइड्स ने अपनी अपनी प्रार्थना की। प्रार्थना सभा में शिविर प्रभारी गिरधारी लाल डांवर ने शिविर संभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि एक स्काउट सच्ची सेवा, लग्न व धर्म के साथ अपना जीवन यापन करता है। स्काउट भावना, नियम व प्रतिज्ञा ही जीवन में सर्वोत्तम

होता है। प्रशिक्षण केन्द्र प्रभारी बसन्ती लाल सैनी ने बताया कि समापन समारोह के मुख्य अतिथि सी.ओ. जिला सीकर व नीमकाथाना बसन्त कुमार लाटा रहे। उन्होंने स्काउट गाइड आंदोलन की जानकारी दी व कहा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने से स्काउट गाइड में निखार आता है और योग्यता वृद्धि कर गुणात्मक सुधार करने में मदद मिलती है। इस अवसर पर रैली के भामाशाह राजस्थान हाई कोर्ट जोधपुर के एडवोकेट अंकुर शर्मा एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए आभार व्यक्त किया। समस्त स्काउट्स गाइड्स ने भाईचारा, मित्रता व समाज सेवा के साथ शिविर स्थल की साफ–सफाई करते हुए विदाई ली। पचलंगी ग्राम के मुख्य मार्गों को पोलीथिन मुक्त किया। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत सभी स्काउट्स व गाइड्स ने शत प्रतिशत मतदान में सहयोग करने का आश्वासन दिया। सच्चे लोकतंत्र के निर्माण में अपनी भूमिका अदा करने का वादा किया। कार्यक्रम के दौरान पूजा यादव, किशोर कुमार सैनी, राधेश्याम शर्मा, छैल

बिहारी जाखड़, जगदीश प्रसाद शर्मा, मगन सिंह, स्नेहलता, महेश कुमार सैनी आदि उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, मालवीय नगर जयपुर के मुख्यालय पर आयोजित द्वितीय/तृतीय सोपान व टोली नायक शिविर का समापन राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) पी. एस. शेखावत के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। सचिव के.के. शर्मा ने बताया कि 16 नवंबर से 20 नवंबर तक आयोजित शिविर में स्काउट/गाइड को प्राथमिक उपचार, नियम, प्रतिज्ञा, दिशा ज्ञान आदि की जानकारी दी गई। इस दौरान मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन भी हुआ। शिविर में 180 स्काउट गाइड ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

शिविर को श्रीराम डंगायच, के.एल. नारंग, अरविंद सिंह भाटी, डॉ. प्रियंका शर्मा ने भी संबोधित किया। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी राजन सरदार व डॉ. गरिमा सिंह ने बालचर जीवन की भूरि भूरि प्रशंसा की। शिविर संचालक अभय सिंह शेखावत, ट्रेनर स्वराज खान, रामनाथ उदेनियां, मंजू शर्मा, मेघा बंसल ने प्रशिक्षण दिया। आशा गुप्ता, निशी सिंह ने आभार व्यक्त किया।

जोधपुर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही के तत्वावधान में भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा जारी स्टिकर का विमोचन जिला कलेक्टर डॉ. भंवरलाल, जिला पुलिस अधीक्षक जयश्री मैत्रा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. भास्कर बिश्नोई, मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश मेवाड़ा ने किया। इस अवसर पर सीओ

स्काउट एम. आर. वर्मा, मंछाराम सचिव स्थानीय संघ सिरोही, संतोष आर्य रेंजर लीडर, श्री आकाश कुमार माली, चेतन कुमार, मोहित कुमार, केतन कुमार, सुश्री सृष्टि पांडे, सुश्री संतोष प्रजापत रोवर रेंजर उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जैसलमेर के तत्वावधान में 7 नवम्बर स्काउट गाइड स्थापना दिवस के अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर गोपाल लाल स्वर्णकार ने स्काउट गाइड स्टीकर का विमोचन किया। सी.ओ. स्काउट जैसलमेर नरेंद्र खोरवाल ने बताया कि भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा जारी स्टीकर जिले के समस्त राजकीय व निजी, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक

विद्यालय व राजकीय व निजी महाविद्यालय, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान, तकनीकी शिक्षण संस्थान से सहयोग प्राप्त करेंगे व इससे प्राप्त राशि का उपयोग संगठन की सेवा भावी गतिविधियों के साथ–साथ विभिन्न आपदाओं में जैसे भूकंप बाढ़ अग्नि दुर्घटना आदि से पीड़ित व्यक्तियों के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी रामनिवास शर्मा, जिला साक्षरता अधिकारी प्रभुराम राठौड़, सचिव जुगत सिंह सोलंकी, सीनियर रोवर मेट इंद्रजीत बामणिया, सीनियर रेंजर मेट भावना शर्मा, रेंजर रेखा खत्री, राउमावि कुम्हारपाड़ा के स्काउट विनोद, अरविन्द, रमेश, कासम लाल मौजूद रहे।

कोटा मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला कोटा में 7 नवंबर को स्काउट गाइड संगठन की स्थापना के 74 वर्ष पूर्ण होने पर स्काउट गाइड चिंतन दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर कोटा महावीर प्रसाद मीणा ने सभी को स्काउट गाइड दिवस की बधाई देते हुए कहा की स्काउट गाइड संगठन प्रत्येक अवसर पर सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों व गतिविधियों में अग्रणीय रहा है। उपस्थित स्काउट व गाइड, रोवर व रेंजर को स्काउट व गाइड के पुरोधाओं से प्रेरणा लेकर समाज, परिवार, देश के लिए बहुउपयोगी नागरिक बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने आगामी 25 नवंबर को राज्य में आयोजित विधानसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदाताओं को जागरुक करने सहित, मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की सहायता करने सहित गली मोहल्ले में जागरूकता फैलाने का

आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने स्काउट व गाइड संगठन की सुदृढ़ता हेतु स्टीकर का अनावरण कर बिक्री हेतु जारी किया। कार्यक्रम उपरांत स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता रैली को हरी जल्दी दिखाकर रवाना किया। रैली जिला कलक्टर परिसर से रवाना होकर नयापुरा होते हुए स्काउट व गाइड कार्यालय पर संपन्न हुई। यह जानकारी देते हुए सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर ने बताया कि प्रदेश संगठन के आदेश अनुसार कोटा संभाग के सभी जिलों पर उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जारी स्टीकर स्कूल व कॉलेज के छात्र छात्राओं एवं गणमान्य नागरिकों को देकर राशि एकत्र की जा रही है। कार्यक्रम का संचालन सी.ओ. स्काउट बृजसुंदर मीणा व सी.ओ. गाइड प्रीति कुमारी ने किया। इस अवसर पर राकेश कसेरा, प्रदीप मीणा, परवेज खान सहित राज. महाविद्यालय कोटा, राज. वाणिज्य महाविद्यालय, राज. जेडीबी कॉलेज के रोवर रेंजर्स ने भाग लिया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला बारां के तत्वावधान में 7 नवंबर को भारत स्काउट गाइड के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर बारां नरेंद्र गुप्ता द्वारा स्टीकर विमोचन कर

जिला स्तरीय स्टीकर बिक्री अभियान का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर सर्कल ऑर्गेनाइजर स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा, सर्कल ऑर्गेनाइजर गाइड सुनीता मीणा, हैडक्वार्टर कमिश्नर भैरूलाल भास्कर एवं रोवर रेंजर उपस्थित रहे।

- झालावाड़ में भारत स्काउट गाइड, झंडा दिवस के अवसर पर एमपी केडर के आईएएस श्रीकांत बनोथ, जिला कलक्टर

झालावाड़ आलोक रंजन व मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त (स्काउट) हुकुमचंद मीणा द्वारा स्टीकर विमोचन किया गया। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट रामकृष्ण शर्मा सहित जिला मुख्यालय के रोवर रेंजर द्वारा जन सामान्य को स्टीकर लगाए गए।

- जिला मुख्यालय, बूंदी के तत्वावधान में भारत स्काउट गाइड झंडा दिवस पर पुलिस अधीक्षक और मुख्य जिला शिक्षा

अधिकारी द्वारा फ्लैग स्टीकर का विमोचन करवाया गया। तत्पश्चात मतदाता जागरूकता अभियान रैली का आयोजन किया गया।

उदयपुर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ़ द्वारा स्काउट गाइड स्थापना दिवस के अवसर पर स्टीकर विमोचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्काउट गाइड स्टीकर का विमोचन जिला कलक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार तथा अतिरिक्त जिला कलक्टर दीपेन्द्र सिह राठौड़ ने किया। सी.ओ. गाइड रेखा शर्मा ने बताया कि भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा स्काउट गाइड स्थापना दिवस पर आपदा एवं आकस्मिक दुर्घटनाओं में सहायता के लिए आरक्षित कोष की स्थापना के लिए एक स्टीकर जारी किया गया, जिसका विमोचन प्रतापगढ़ जिला मुख्यालय पर जिला कलक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार तथा अतिरिक्त जिला कलक्टर दीपेन्द्र सिह राठौड़ ने किया। स्टीकर का विमोचन

करते हुए श्री यादव ने संस्था प्रधानों से अपील की कि वो स्टीकर बिक्री अभियान में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं मुख्यायुक्त स्काउट प्रहलाद चन्द पारीख, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक महेशचन्द्र आमेटा, डाइट प्राचार्य कृपानीधि त्रिवेदी, सहायक निदेशक शत्रुघ्न शर्मा एवं सचिव हीरालाल मालवीय स्थानीय संघ प्रतापगढ़, स्काउटर भीमराज मीणा, रामनिवास पाटीदार, अधिराज सिह सिसोदिया, मनीष कुमार पाटीदार, सुनिल टेलर, प्रेमराज मीणा, स्काउटर राजसमन्द एनजीसी सहायक लोकेन्द्र कुमार माली, रेंजर दीपका चौधरी, सुदर्शना मालवीय आदि उपस्थित थे।

- जिला मुख्यालय, डूंगरपुर के तत्वावधान में भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर एल. एन मंत्री एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गितेश श्रीमालवीय ने स्टीकर विमोचन कर स्काउट गाइड स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट सुनील कुमार सोनी, नानालाल अहारी ए.एल.टी, भैंरू लाल कटारा ए.एल.टी, ललित कुमार बरण्डा, ए.एल.टी, लीलाराम गामोट ए.एल.टी, स्थानीय संघ सचिव भूपेन्द्र कुमार जैन, रोवर लीडर नीतिज्ञ पण्ड्या के साथ शिवनारायण चौबीसा महाविद्यालय, श्री भोगीलाल पण्ड्या राजकीय महाविद्यालय डूंगरपुर, सरदार पटेल ओपन रोवर क्रू, एवं निवेदिता ओपन रेंजर टीम डूंगरपुर के रोवर रेंजर ने रैली के माध्यम से जनसामान्य को झण्डा (स्टीकर) लगाया।

- चित्तौड़गढ़ में 07 नवम्बर को भारत स्काउट व गाइड स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्र में स्काउट गाइड संगठन को आर्थिक सम्बल प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्राप्त स्काउट गाइड झण्डा स्टीकर का जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल ने विमोचन कर स्टीकर बिक्री का शुभारम्भ किया। उन्होंने जिले के समस्त कब–बुलबुल, स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर सदस्यों एवं पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की। इससे पूर्व इन्द्रलाल आमेटा लीडर ट्रेनर एवं पंकज दशोरा सचिव स्थानीय संघ चित्तौड़गढ़ ने जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल का स्कार्फ पहनाकर स्वागत व अभिनन्दन किया।

जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल ने स्काउट गाइड स्टीकर का विमोचन करने के बाद स्काउट गाइड गतिविधि के बारे में जानकारी प्राप्त कर जिले के प्रत्येक राजकीय व निजी विद्यालय व महाविद्यालयों में स्काउट गाइड गतिविधि के सक्रिय संचालन हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किये।

सी.ओ. स्काउट चित्तौड़गढ़ चन्द्रशंकर श्रीवास्तव ने बताया कि समस्त राज्यों के माध्यम से स्टीकर बिक्री अभियान चलाकर सहयोग राशि प्राप्त की जाती है, जिसका उपयोग विभिन्न आपदाओं, राष्ट्रीय स्तरीय गतिविधियों में किया जाता है। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी धायगुडे स्नेहल नाना, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद चित्तौड़गढ़, जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यन्त, अति. जिला कलक्टर अभिषेक गोयल, अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश पुरोहित द्वारा भी स्टीकर का विमोचन किया गया। इससे पूर्व संगठन का प्रतीक स्कार्फ पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी ष्णा चाष्टा, अति. जिला परियोजना समन्वयक प्रमोद कुमार दशोरा, एसीपी लीला चतुर्वेदी, लीडर ट्रेनर इन्द्र लाल आमेटा, समस्त स्थानीय संघ सचिव विद्याधर दशोरा, भूरा लाल, सुनीता मीणा, दिनेश चन्द्र धोबी, मनोज कुमार बोहरा, पंकज दशोरा, शंकर लाल भाम्बी, सत्यनरायण शर्मा, रोवर पवन माली, रेंजर दीपिका बंजारा, अंजना धाकड़, स्काउट सावरिया लाल गुर्जर,

निर्मल कुमावत, योगेश, राहुल छीपा, सुदेश खत्री, ऋषभ, गाइड नेहा खत्री, रोशनी कुशवाह आदि उपस्थिति थे।

- राजसमंद में भारत स्काउट व गाइड के 74 वें स्थापना दिवस पर जिला कलक्टर निलाभ सक्सैना व अति. जिला कलक्टर नरेश बुनकर द्वारा झण्डा स्टीकर का विमोचन करवाया गया। सी.ओ. गाइड अभिलाषा मिश्रा ने बताया कि 7 नवंबर 2023 को राजसमंद जिले के स्थानीय संघ सचिव, रोवर, रेन्जर, स्काउटर, गाइडर ने जिला कलक्ट्री पहुंच कर जिलाधीश महोदय एवं अति. जिला कलक्टर के हाथों झण्डा स्टीकर का विमोचन कराया एवं जिला कलक्टर, अति. जिला कलक्टर, सीईओ जिला परिषद राजसमंद व मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को स्कार्फ व राधेश्याम राणा ने प्रसादी ईकलाई पहनाकर जिला मुख्यालय की तरफ से स्वागत किया। तत्पश्चात सीईओ जिला परिषद राजसमंद राहुल जैन, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी रविन्द्र कुमार तोमर, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा नूतन प्रकाश जोशी, जिला शिक्षा अधिकारी प्रा.शि. राजेन्द्र गग्गड़ एवं उप जिला शिक्षा

अधिकारी शिव प्रसाद व्यास को स्टीकर लगाकर सहायतार्थ अंशदान प्राप्त किया। स्थानीय संघ सचिव राजसमंद धर्मेन्द्र गुर्जर, वरिष्ठ स्काउटर राधेश्याम राणा, रोशन लाल रेगर, रेन्जर मंजु, विद्या, पूजा, खुशी, रोवर लोकेश, दर्शन, विपुल, तुषार, चेतन, भुनवेश आदि उपस्थित रहे।

मतदान केन्द्रों पर सेवारत स्काउट, गाइड, रोवर व रेंजर

धौलपुर

नागौर

कोटा

डूंगरपुर

बीकानेर

जोधपुर

अलवर

चित्तौड़गढ़

शिक्षक के लिए धैर्य

सकारात्मक चिन्तन

तरूण कुमार सोलंकी

एक अच्छे शिक्षक के लिए मन शान्ति एवं धैर्यशीलता का गुण आवश्यक है। बिना मन की शांति के अच्छे व भली प्रकार अपने विद्यार्थियों का अध्यापन नहीं करा सकता और धैर्यशीलता नहीं है तो अपने विद्यार्थियों के साथ संतोषजनक संवाद व विचार विमर्श भी नहीं कर सकता है।

धैर्य मावन व्यक्तित्व में ईश्वर द्वारा प्रदत्त ऐसा अनुपम गुण है जो उसे देव तुल्य बना देता है। हमारे शास्त्रों में भी नायक का प्रमुख गुण धैर्य बताया गया है। यदि व्यक्ति में धीरज हो तो वह चाहे कैसी भी विपदा आ जाये, विचलित व मानसिक सन्तुलन नहीं खोता, विपरीत मन को शान्त कर विपदा पर पुनः विचार कर सही हल खोजने का प्रयास करता है। धैर्य की बदौलत ही वह हर परिस्थिति को बिना किसी उद्विग्नता के न केवल स्वीकार कर लेता है बल्कि मुकाबला करने का भी तत्पर रहता है।

शान्त मन धीर–गंभीर शिक्षक की यह विशेषता होती है कि निरर्थक को सार्थक में बगैर झुंझलाहट के बदलाव करने का हुनर जानता है। सन्त कबीर की वाणी 'धीरे–धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय, माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होए।'

यानी जल्दबाजी और उतावलेपन में कुछ नहीं रखा है। त्वरित फल प्राप्ति की कामना अविकसित व्यक्तित्व की निशानी है। जल्दी में काम करना और काम के परिणाम पर विचार किये बिना जल्दबाजी करना दोनों ही गलत है। बीज बोने के बाद यदि माली सौ घडे पानी से उसे सींच ले और तुरन्त प्रतिफल की कामना करें तो गलत होगा। फल तो पौधा बड़ा होने और ऋतु के आगमन पर ही देगा। अतः मानस के समग्र विकास के लिये धैर्य परमावश्यक है। इसीलिये तो भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि 'कर्म पर ही तेरा अधिकार है उसके फलों पर नहीं।' 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' जैसा संदेश देकर भगवान श्री कृष्ण धीरज धारण करने की प्रेरणा ही दे रहे हैं। वो नहीं चाहते कि मेरा भक्त या साधक कर्म के दौरान अधीर होकर शीघ्र फल प्राप्ति के चक्कर में भ्रमित होकर भटकाव का शिकार हो जाए। ऐसा कोई भी शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिये नहीं चाहेगा।

एक सकारात्मक सोच का शिक्षक शांत मन से विद्यार्थियों के सामने प्रश्न रखता है तथा धैर्य के साथ विद्यार्थियों के उत्तर सुनता है। सभी छात्रों को कक्षा में बोलने व सुनने का अवसर प्रदान करता है। अन्त में शिक्षक अपनी बात बड़े शांत मन से व धैर्य के साथ रखता है। विद्यार्थियों द्वारा उठायी गयी समस्याओं का उचित सम्मान रखता है साथ में विद्यार्थियों से चर्चा भी करता रहता है।

यदि मन शांत है तो अपने जीवन को सुखमय व्यतीत करता है। पूर्ण किये गये कार्य में खुशी व सुख मिलता है और यह देखा गया की कर्म भी उच्चगुणवत्ता से पूर्ण होता है। यदि मन किसी अन्य कारण से अशांत है तो कार्य सफल होने पर भी खुशी महसूस नहीं होती व धैर्य भी नहीं रहता। शांत मन व धैर्य से विचार करने पर मानव में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा बुद्धि भी तेजी से व सही दिशा में सोच कर कार्य को भली प्रकार पूर्ण करती है। मन की शांति के लिये कुछ छोटे कदम मददगार हो सकते हैं इसमें सब से पहले है सकारात्मक सोच व धैर्य। अगर आप हर बात को सकारात्मक सोच के साथ देखते हैं व धैर्य से समझते हैं तो जीवन की आधी समस्या दूर हो जाती है और मन में असीम शांति मिलती है। विद्यार्थियों में आप के प्रति विश्वास बढ़ता है। बालकों में यह गुण विकसित किया जा सकता है कि चाहे कैसी भी खराब परिस्थिति हो या विपदा आये विचलित नहीं होना चाहिये बल्कि धैर्य के साथ समस्या को समझ कर हल करने का पूर्ण प्रयास करना चाहिये।

दूसरा है ईर्ष्या और द्वेष–विद्यार्थियों को इन दोनों से बचाने के लिये सब से पहले शिक्षक स्वयं इन दोनों से बचें। मानव स्वभाव है कभी ईर्ष्या होने पर उस व्यक्ति में उस गुण को देखे जो आप में इर्ष्या उत्पन्न कर रही है, पर ध्यान न देकर सकारात्मक सोच के साथ उसकी अच्छी बातों को स्वीकार करें व उन पर चलने या उन्हें करने का प्रयास करें तो आप में अपने आप ईर्ष्या व द्वेषता नहीं रहेगी। विद्यार्थियों में यह गुण उन से कई बार चर्चा कर, टोक कर, कह कर उनके व्यवहार में धैर्य के साथ स्वयं को शांत व नियन्त्रित करते हुये परिवर्तन कर सकते हैं।

एक शिक्षक प्रतिदिन सुबह उठते ही सब से पहले अपने ईश्वर को याद करे तथा कुछ मिनट मन पर ध्यान करे। इस से मन की शक्ति बढ़ेगी, जिस से आप का (स्वयं शिक्षक का) आत्मविश्वास व धैर्य बढ़ेगा और आप किसी भी चुनौती का सफलता पूर्वक समाधन कर सकेंगे। एक शिक्षक ही नहीं कोई भी व्यक्ति या मानव इस कार्य को कर सकता है।

जब रात्रि में सोने के लिये जाएं तो पूरे दिन की घटनाओं पर क्रमवार विचार करें और देखें कि ऐसी कौनसी घटना या बात है जिसने आपको व्याकुल बना रखा है। उसके कारण पर विचार कर दूसरे दिन हल करने का विचार कर सब कुछ भगवान या ईश्वर या अपने ईष्ट को अर्पण कर दें। धैर्य के साथ मन को पूर्ण शांत कर शरीर को विश्राम देने का प्रयास करें।

शिक्षक के लिये तीसरी बात कक्षा कक्ष में जाने से पूर्व यह विचार करें या पाठ्यवस्तु को देखें कि आज कक्षा में मुझे क्या व कितना अध्यापन करवाना है। किस विधि का प्रयोग करना है। साथ ही सफल संवाद विद्यार्थियों के साथ किस प्रकार (उतार चढ़ाव) करना है तो आप निश्चित एक सफल व बालकों व विद्यार्थियों के लिये प्रेरणा देने वाले धैर्यवान शिक्षक होंगे।

–सेनि.रीडर,

रा.उ.अध्ययन शिक्षा संस्थान, बीकानेर

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'प्रकृति विज्ञ' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

प्रकृति विज्ञ
NATURALIST

प्राकृतिक सौन्दर्य के विभिन्न रूपों को जानना, पहचानना और समझना प्रकृति विज्ञ दक्षता बैज उत्तीर्ण करने का मुख्य आधार है। वनस्पतियों, जीव–जन्तुओं और पादपों के विकास, रहन–सहन, गुण–अवगुण आदि की जानकारी बालक–बालिकाओं को अवश्य होनी चाहिये। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रकृति–विज्ञ दक्षता बैज का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। विवरण निम्नानुसार है–

(1) अपने निरीक्षण के आधार पर अपने शब्दों में निम्नलिखित को स्पष्ट करें –

एक जंगली फूल के उत्पन्न होने और विकसित होने की प्रक्रिया तथा इसके अलावा निम्न में से किस एक का –मेंढक या दादुर (टोड) का जीवन–चक्र, एक कीट या मकड़ी या मछली का जीवन–इतिहास। छः पक्षियों का विकास, आदतें, गाने या बोली (ध्वनि), चार जंगली जानवरों की आदतें, तालाब में पैदा होने वाले कुछ जीवों की आदतों को स्पष्ट करें।

(2) बसन्त, ग्रीष्म, पतझड़ और शीत ऋतुओं में से किन्ही दो की प्रकृति–पंजिका (Nature dairy) तैयार करें। इसमें स्वयं द्वारा देखे गए कम–से–कम 10 पक्षियों, 10 पौधों, 10 वृक्षों और 10 तितलियों और पतंगों का दिनाँक सहित स्थान आदि का विवरण हों और अन्य देखे गए जानवरों का संक्षिप्त विवरण हों तथा उस विवरण की व्याख्या पेंसिल–रेखाचित्र, पत्तियों को कार्बन द्वारा छापे या दबाए हुए नमूनों द्वारा समझाया गया हो।

अथवा

शहरी क्षेत्र में प्रकृति पुस्तिका (पंजिका) के स्थान पर निम्नलिखित में से एक विकल्प चुनकर लिया जा सकता है। जिला आयुक्त महोदय यह निर्णय करेंगे कि वह क्षेत्र के इस बैज के लिए शहर माना जाए या नहीं :–

(i) 30 विभिन्न प्रजातियों के फूलों, कोमल घास (फर्न) और हरी घास को सुखा कर उन्हें पुस्तिका में लगाकर, उनके नाम, पाए जाने वाला स्थान, तिथि आदि देकर संग्रह करें, उनको पहचाने तथा उनमें से कम–से–कम दस के बारे में संक्षिप्त विवरण दे सके।

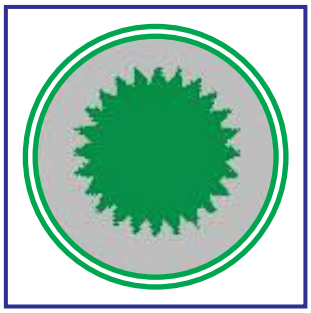

(ii) बीस विभिन्न वृक्षों की पत्तियों का फोटो या कार्बन चित्र या पेंसिल द्वारा रेखा–चित्रों का, उनके नाम, स्थान और दिनाँक सहित, संग्रह करें, उनको पहचान सके और 10 वृक्षों जिनके वे पत्ते हों, के रूप में वर्णन कर सकें।

(iii) दस जीवित पशुओं और पक्षियों को देख कर उनके रेखा–चित्र बनाए और उनमें से पाँच के इतिहास का वर्णन करें।

(iv) साठ विभिन्न प्रकार के पशुओं या पक्षियों के नाम बताए और उनमें से पाँच का इतिहास (जीवन लीला) लिखें।

(v) प्राणी–उद्यान के संग्रहालय या बिना नाम के रंगीन चित्र पटों को देखकर साठ विभिन्न प्रकार के पशुओं, पक्षियों, सरिसर्पों, मछलियों या कीट–पतंगों के नाम बता सके और उनमें से 20 के जीवन, आदतों, आकृति और अन्य पहचान का विवरण दे सकें।

(vi) तीस विभिन्न प्रकार के पशु और पक्षियों की आदतों का वर्णन करें और उनके गाने, बोलियों या आवाजों के आधार पर उनकी पहचान कर सकें।

10 कारण कि हम करें सूर्य से प्यार

संकलनकर्ता – डॉ. पी.सी. जैन

सूर्य से हमें प्रकाश ही नहीं मिलता बल्कि इससे कई सामान्य और खतरनाक बीमारियों से बचाव होता है, इससे हमारे शरीर को विटामिन डी मिलता है जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं।

1. धूप सेंकने के फायदे

धूप हमें प्रकाश ही नहीं देता है बल्कि इससे हमारे स्वास्थ्य को कई तरह के फायदे भी होते हैं। सूर्य से निकलने वाली रोशनी में विटामिन डी होता है जिसकी कमी से शरीर में मेटाबोलिक हड्डियों की बीमारी हो जाती है जो युवाओं में होने वाली गंभीर बीमारी है। यह हमारे शरीर में विटामिन डी की कमी को पूरा करता है। सूर्य के प्रकाश के लाभ सिर्फ विटामिन डी तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके कई अन्य लाभ भी होते हैं और कई दूसरी बीमारियों से भी बचाव होता है।

2. अच्छी नींद आती है

धूप सेंककर आप रात में अच्छी नींद ले सकते हैं। दरअसल सूर्य की रोशनी में बैठने से शरीर में मेलाटोनिन नाम का हार्मोन विकसित होता है जिससे रात में अच्छी नींद आती है, अनिद्रा की बीमारी इससे दूर जाती है। यानी रात में बेहतर नींद के लिए सूर्य से प्यार कीजिए।

3. वजन घटायें

वजन घटाने के लिए आप कई तरीके आजमाते और बहुत मेहनत भी करते हैं। लेकिन आप यह जानकर हैरान न हों कि वजन कम करने में सूर्य आपकी सहायता कर सकते हैं। दिन में धूप में बैठने से आपको वजन घटाने में सहायता मिल सकती है। एक शोध के मुताबिक यह बात सामने आई है कि सूर्य के प्रकाश और बीएमआई के बीच एक अच्छा संबंध होता है।

4. ठंड दूर भगाये

अगर आप सर्दी के मौसम में ठंड से कांप रहे हैं तो सूर्य की रोशनी में जाइये जनाब, यह एक प्राकृतिक अलाव है जो ठंड दूर करेगा और आपको बीमारियों से भी बचायेगा।

5. हड्डियां मजबूत बनायें

हड्डियों को सही तरीके से पोषण न मिलने से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों से संबंधित बीमारियां जैसे – गठिया, गाउट आदि होने की संभावना बढ़ जाती है। जबकि सूर्य की रोशनी में बैठने से हड्डियां मजबूत होती हैं क्योंकि इसमें विटामिन डी होता है।

6. इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाये

इम्यून सिस्टम अगर कमजोर हो जाये तो पेट ससंबंधित कई तरह के रोग हो जाते हैं, इसलिए इसे मजबूत बनाये रखना जरूरी है। धूप से शरीर का इम्यून सिस्टम मजबूत हो जाता है। सूर्य से निकलने वाली अल्ट्रावॉयलेट किरणें इम्यून सिस्टम की हाईपरएक्टिविटी को नकारती हैं और सोराईसिस जैसी बीमारियों से बचाव करती हैं।

7. उम्र बढ़ती है

अगर आपकी चाहत लंबी उम्र पाने की है तो नियमित रूप से धूप से स्नान कीजिए। क्योंकि यह खून जमने, डायबिटीज एवं ट्यूमर को ठीक करता है, प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाता है एवं पैरों में खून जमने का खतरा बिल्कुल नहीं रहता। ठंडे क्षेत्र में शीतकाल में यह खतरा ज्यादा रहता है। यह डायबिटीज जैसी बीमारी से भी बचाव करता है और अन्य बीमारियों से बचाता है। अगर ये सारी समस्याएं न हों तो उम्र बढ़ेगी ही।

8. बांझपन दूर करे

यदि पुरुष बांझपन के शिकार हैं तो उनके लिए सूर्य धूप रामबाण दवा की तरह है। धूप सेंकने से शुक्राणुओं की गुणवत्ता में सुधार आता है। खून में सूर्य धूप से मिले विटामिन डी के बढ़ने के कारण ऐसा होता है। इसके अलावा यह वियाग्रा दवा की भांति भी काम करता है। यह टेस्टोस्टोरेन हार्मोन के स्राव को भी बढ़ाता है।

9. दिमाग को स्वस्थ रखे

सूर्य से निकलने वाले प्रकाश में मौजूद विटामिन डी से दिमाग स्वस्थ रहता है। विटामिन डी भविष्य में होने वाली बीमारी सीजोफ्रेनिया (पागलपन की बीमारी) के खतरे को कम करता है। यह दिमाग को स्वस्थ रखता है और इसके संतुलित विकास में सहायता प्रदान करता है। गर्भवती महिला के धूप सेंकने से यह लाभ बच्चे को भी मिलता है।

10. दिल के रोगों से बचाये

सूर्य से मिलने वाले विटामिन डी से हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत होती है और कैंसर का खतरा कम होता है। यह मेटाबॉलिज्म को सुधारता है जिससे मधुमेह एवं हृदय रोग काबू में रहते हैं। धूप दिल की बीमारियों को रोकने में मददगार होता है।

हमारे महापुरुष

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी

–स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष थे, जो राजाजी के नाम से भी जाने जाते हैं। राजगोपालाचारी वकील, लेखक, राजनीतिज्ञ और दार्शनिक थे। वे स्वतन्त्र भारत के द्वितीय गवर्नर जनरल और प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल थे। अपने अद्भुत और प्रभावशाली व्यक्तित्व के कारण 'राजाजी' के नाम से प्रसिद्ध महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, गांधीवादी राजनीतिज्ञ चक्रवर्ती राजगोपालाचारी को आधुनिक भारत के इतिहास का 'चाणक्य' माना जाता है। राजगोपालाचारी जी की बुद्धि चातुर्य और दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी और सरदार पटेल जैसे अनेक उच्चकोटि के कांग्रेसी नेता भी उनकी प्रशंसा करते नहीं अघाते थे।

जीवन परिचय

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी का जन्म 10 दिसंबर, 1878 को तमिलनाडु (मद्रास) के सेलम ज़िले के होसूर के पास 'धोरापल्ली' नामक गांव में हुआ था। एक वैष्णव ब्राह्मण परिवार में जन्मे चक्रवर्ती जी के पिता का नाम श्री नलिन चक्रवर्ती था, जो सेलम के न्यायालय में न्यायधीश के पद पर कार्यरत थे। राजगोपालाचारी जी की प्रारम्भिक शिक्षा गाँव के ही एक स्कूल से प्राप्त करने के बाद उन्होंने बैंगलोर के सैंट्रल कॉलेज से हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। इसके बाद मद्रास के प्रेसीडेंसी कॉलेज से बी.ए. और वकालत की परीक्षा उत्तीर्ण की। वकालत की डिग्री पाने के पश्चात वे सेलम में ही वकालत करने लगे। अपनी योग्यता और प्रतिभा के बल पर उनकी गणना वहां के प्रमुख वकीलों में होने लगी। चक्रवर्ती पढ़ने लिखने में तो तेज थे ही, देशभक्ति और समाज सेवा की भावना भी उनमें स्वाभाविक रूप से विद्यमान थी। जिन दिनों वे वकालत कर रहे थे, उन्हीं दिनों वे स्वामी विवेकानंद जी के विचारों से अत्यंत प्रभावित हुए और वकालत के साथ साथ समाज सुधार के कार्यों में भी सक्रिय रूप से रुचि लेने लगे। उनके समाज सेवी कार्यों से प्रभावित होकर जनता द्वारा उन्हें सेलम की म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन का अध्यक्ष चुन लिया गया। इस पद पर रहते हुए उन्होंने अनेक नागरिक समस्याओं का तो समाधान किया ही, साथ ही तत्कालीन समाज में व्याप्त ऐसी सामाजिक बुराइयों का भी जमकर विरोध किया जो उन्हीं के जैसे हिम्मती व्यक्ति के बस की बात थी। सेलम में पहले सहकारी बैंक की स्थापना का श्रेय भी उन्हें ही जाता है।

गाँधी जी का सान्निध्य

वर्ष 1915 में गाँधी जी दक्षिण अफ्रीका से लौट कर भारत आये थे और आते ही देश के स्वतंत्रता संग्राम को गति प्रदान करने में जुट गये थे। चक्रवर्ती भी देश के हालात से अनभिज्ञ नहीं थे, वह वकालत में उत्कर्ष पर थे। 1919 में गाँधी जी ने रॉलेक्ट एक्ट के विरुद्ध सत्याग्रह आन्दोलन प्रारम्भ किया। इसी समय राजगोपालाचारी गाँधी जी के सम्पर्क में आये और उनके राष्ट्रीय आन्दोलन के विचारों से प्रभावित हुए। गाँधी जी ने पहली भेंट में उनकी प्रतिभा को पहचाना और उनसे मद्रास में सत्याग्रह आन्दोलन का नेतृत्व करने का आह्वान किया।

उन्होंने पूरे जोश से मद्रास सत्याग्रह आन्दोलन का नेतृत्व किया और गिरफ्तार होकर जेल गये। जेल से छूटते ही चक्रवर्ती ने अपनी वकालत और तमाम सुख सुविधाओं

को त्याग दिया और पूर्ण रूप से देश के स्वतंत्रता संग्राम को समर्पित हो गये। सन 1921 में गाँधी जी ने नमक सत्याग्रह आरंभ किया। इसी वर्ष वह कांग्रेस के सचिव भी चुने गये। इस आन्दोलन के तहत उन्होंने जग जागरण के लिए पदयात्रा की और वेदयासम के सागर तट पर नमक क़ानून का उल्लंघन किया। परिणामस्वरूप उन्हें गिरफ्तार कर पुनः जेल भेज दिया गया। इस समय तक चक्रवर्ती देश की राजनीति और कांग्रेस में इतना ऊँचा क़द प्राप्त कर चुके थे कि गाँधी जी जैसे नेता भी प्रत्येक कार्य में उनकी राय लेते थे। वे स्पष्ट कहते थे 'राजाजी ही मेरे सच्चे अनुयायी हैं।' यद्यपि कई अवसर ऐसे भी आये, जब चक्रवर्ती गाँधी और कांग्रेस के विरोध में आ खड़े हुए, किंतु इसे भी उनकी दूरदर्शिता, उनकी कूटनीति का ही एक अंग समझकर उनका समर्थन ही किया गया।

असहयोग आन्दोलन

1930–31 में असहयोग आन्दोलन प्रारम्भ किया गया। चक्रवर्ती ने इस आन्दोलन में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। वह जेल भी गये, किंतु कुछ मुद्दों पर वे कांग्रेस के बड़े बड़े नेताओं के विरोध में निडरता से आ खड़े हुए। वह अपने सिद्धांतों के आगे किसी से भी किसी प्रकार के समझौते के लिए तैयार नहीं होते थे। वह अकारण ही अपने सिद्धांतों पर नहीं अड़ते थे, प्रायः जिन मसलों पर अन्य नेतागण उनका विरोध करते थे, बाद में वे सहज रूप से उन्हीं मसलों पर राजा जी के दृष्टिकोण से सहमत हो जाते थे। चक्रवर्ती जी की सूझबूझ और राजनीतिक कुशलता का उदाहरण देखने को मिलता है, जब 1931–32 में हरिजनों के पृथक मताधिकार को लेकर गाँधी जी और भीमराव अंबेडकर के बीच मतभेद उत्पन्न हो गये थे। एक ओर जहाँ गाँधी जी इस संदर्भ में अनशन पर बैठ गये थे, वहीं अंबेडकर भी पीछे हटने को तैयार नहीं थे। उस समय चक्रवर्ती ने उन दोंनों के बीच बड़ी ही चतुराई से समझौता कराकर विवाद को शांत कराया था।

गाँधी जी से संबंध

वह गाँधी जी के कितना निकट थे, इसका पता इस बात से चलता है कि जब भी गाँधी जी जेल में होते थे, उनके द्वारा संपादित पत्र 'यंग इंडिया' का सम्पादन चक्रवर्ती ही करते थे। जब कभी गाँधी जी से पूछा जाता था, 'जब आप जेल में होते हैं, तब बाहर आपका उत्तराधिकारी किसे समझा जाए?' तब गाँधी जी बड़े ही सहज भाव से कहते, 'राजा जी, और कौन?' गाँधी जी और चक्रवर्ती के संबंधों में तब और भी प्रगाढ़ता आ गयी, जब सन 1933 में चक्रवर्ती जी की पुत्री और गाँधी जी के पुत्र वैवाहिक बंधन में बंध गये।

मुख्यमंत्री

सन 1937 में हुए कॉन्सिलों के चुनावों में चक्रवर्ती के नेतृत्व में कांग्रेस ने मद्रास प्रांत में विजय प्राप्त की। उन्हें मद्रास का मुख्यमंत्री बनाया गया। 1930 में ब्रिटिश सरकार और कांग्रेस के बीच मतभेद के चलते कांग्रेस की सभी सरकारें भंग कर दी गयी थी। चक्रवर्ती ने भी अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। इसी समय दूसरे विश्व युद्ध का आरम्भ हुआ, कांग्रेस और चक्रवर्ती के बीच पुनः ठन गयी। इस बार वह गाँधी जी के भी विरोध में खड़े थे। गाँधी जी का विचार था कि ब्रिटिश सरकार को इस युद्ध में मात्र नैतिक समर्थन दिया जाए, वहीं राजा जी का कहना था कि भारत को पूर्ण स्वतंत्रता देने की शर्त पर ब्रिटिश सरकार को हर प्रकार का सहयोग दिया जाए। यह मतभेद इतने बढ़ गये कि राजा जी ने कांग्रेस की कार्यकारिणी की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया। उनकी राजनीति पर गहरी पकड़ थी। 1942 के इलाहाबाद कांग्रेस अधिवेशन में उन्होंने देश के विभाजन को स्पष्ट सहमति प्रदान की। यद्यपि अपने इस मत पर उन्हें आम जनता और कांग्रेस का बहुत विरोध सहना पड़ा, किंतु उन्होंने इसकी परवाह नहीं की। इतिहास गवाह है कि 1942 में उन्होंने देश के विभाजन को सभी के विरोध के बाद भी स्वीकार किया, सन 1947 में वही हुआ। यही कारण है कि कांग्रेस के सभी नेता उनकी दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता का लोहा मानते रहे। कांग्रेस से अलग होने पर भी यह महसूस नहीं किया गया कि वह उससे अलग हैं।

राज्यपाल

1946 में देश की अंतरिम सरकार बनी। उन्हें केन्द्र सरकार में उद्योग मंत्री बनाया गया। 1947 में देश के पूर्ण स्वतंत्र होने पर उन्हें बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया गया। इसके अगले ही वर्ष वह स्वतंत्र भारत के प्रथम 'गवर्नर जनरल' जैसे अति महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किए गये। सन 1950 में वे पुनः केन्द्रीय मंत्रिमंडल में ले लिए गये। इसी वर्ष सरदार वल्लभ भाई पटेल की मृत्यु होने पर वे केन्द्रीय गृह मंत्री बनाये गये। सन 1952 के आम चुनावों में वह लोकसभा सदस्य बने और मद्रास के मुख्यमंत्री निर्वाचित हुए। इसके कुछ वर्षों के बाद ही कांग्रेस की तत्कालीन नीतियों के विरोध में उन्होंने मुख्यमंत्री पद और कांग्रेस दोनों को ही छोड़ दिया और अपनी पृथक स्वतंत्र पार्टी की स्थापना की।

सम्मान

1954 में भारतीय राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले राजा जी को 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। वह विद्वान और अद्भुत लेखन प्रतिभा के धनी थे। जो गहराई और तीखापन उनके बुद्धिचातुर्य में था, वही उनकी लेखनी में भी था। वह तमिल और अंग्रेज़ी के बहुत अच्छे लेखक थे। 'गीता' और 'उपनिषदों' पर उनकी टीकाएं प्रसिद्ध हैं। उनको उनकी पुस्तक 'चक्रवर्ती थरोमगम' पर 'साहित्य अकादमी' द्वारा पुरस्कृत किया गया। उनकी लिखी अनेक कहानियाँ उच्च स्तरीय थीं। 'स्वराज्य' नामक पत्र में उनके लेख निरंतर प्रकाशित होते रहते थे। इसके अतिरिक्त नशाबंदी और स्वदेशी वस्तुओं विशेषकर खादी के प्रचार प्रसार में उनका योगदान महत्त्वपूर्ण माना जाता है।

निधन

अपनी वेशभूषा से भी भारतीयता के दर्शन कराने वाले इस महापुरुष का 28 दिसम्बर, 1972 को निधन हो गया।

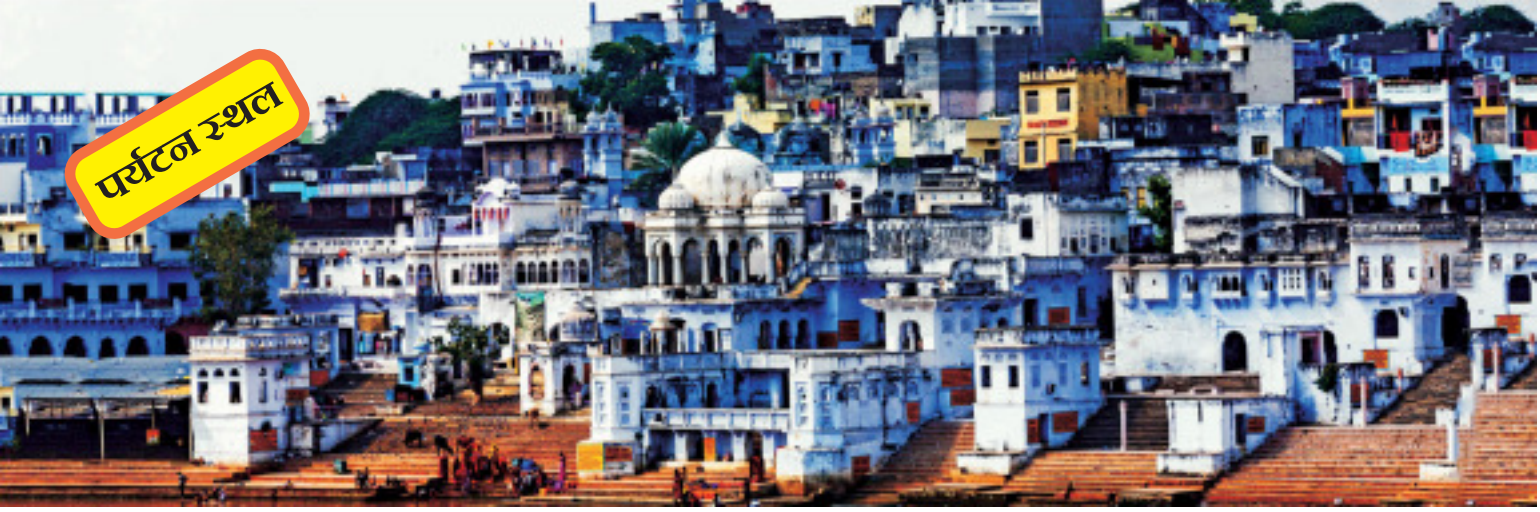

तीर्थराज पुष्कर

लेखक संकलनकर्ता : डॉ. आदेश चतुर्वेदी, विवेक विहार, जयपुर

श्री ब्रह्म पुष्कर तीर्थ सभी तीर्थों में श्रेष्ठ माना जाता है, इसीलिए इसे तीर्थराज भी कहते हैं, ऐसी मान्यता है कि सभी तीर्थों की यात्रा का फल केवल एक पुष्कर स्नान व दर्शन से ही प्राप्त हो जाता है। पुष्कर तीर्थ भारत के मरू प्रदेश राजस्थान के हृदय में अवस्थित अजमेर जिले में जिला मुख्यालय से मात्र 13 किलोमीटर दूर सुरम्य पर्वत घाटी में स्थित है। पुष्कर तीर्थ चारों ओर से प्रसिद्ध व प्राचीन अरावली पर्वत श्रृंखला से घिरा हुआ है, पुष्कर तीर्थ के महात्म के विषय में मुनि श्रेष्ठ पुलस्त्य ऋषि ने कहा है–

पर्वतानां यथामेरू पक्षिणां गरूड़ों यथा।
ततसमस्त तीर्थनामाद्य पुस्कर मीस्यते।।

अर्थात जिस प्रकार पर्वतों में मेरु पर्वत, पक्षियों में गरुड़ श्रेष्ठ हैं, उसी प्रकार समस्त तीर्थों में पुष्कर अनादि सिद्ध तीर्थ है। पुष्कर तीर्थ जगतपिता ब्रह्मा जी का धाम है। इसी तीर्थ श्रेष्ठ में परमपिता ब्रह्मा ने हजारों वर्ष तपस्या की एवं माता सावित्री ने भी कठोर तप किया। पुष्कर गायत्री माता की जन्म स्थली है एवं यहीं ब्रह्मा–गायत्री महायज्ञ संपन्न हुआ था। पारंपरिक कथाओं के अनुसार पुष्कर तीर्थ की लंबाई ढाई योजन (10 कोस अर्थात 30 किलोमीटर) एवं चौड़ाई आधी योजन (2 कोस अर्थात 6 किलोमीटर) है। पुष्कर तीर्थ में त्रिदेव समेत समस्त देवी देवताओं का प्रत्यक्ष वास है।

पुष्कर नामकरण एवं उत्पत्ति

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार परमपिता ब्रह्मा 'कांतिमती' सभा में देवताओं के साथ विचार–विमर्श कर रहे थे। देवताओं ने ब्रह्मा जी से आग्रह किया कि 'पृथ्वी पर आपके नाम का तीर्थ होना चाहिए'। इस पर ब्रह्मा जी ने अपने हाथ के कमल–पुष्प को पृथ्वी पर फेंका। यह पुष्प पृथ्वी पर तीन जगह पर गिरा और तीनों ही जगहों पर पाताल तोड़ कर उत्तम निर्मल जल निकल आया। चुंकि, पुष्प ब्रह्मा जी के कर से पृथ्वी पर गिरा अतः पुष्प+कर= पुष्कर के नाम से यह स्थान प्रसिद्ध हुआ। ब्रह्मा जी ने अपने इस धाम पर 1000 वर्ष तक तपस्या की एवं महायज्ञ किया। ब्रह्मा जी की इच्छा पर ही सरस्वती नदी, गंगा एवं यमुना की आंतरिक शिराएं इस पवित्र सरोवर के जल में आकर मिली एवं लोगों के पापों को नाश करने के लिए उद्यत हुईं।

पुष्कर का महात्म

पुष्कर का न केवल परमपिता ब्रह्मा के कर से सर्व–मंगल की कामना से फेंके गए पुष्प कमल के द्वारा उत्पन्न पवित्र सरोवर के कारण महात्म है, बल्कि इसी स्थान पर ब्रह्मा जी एवं माता सावित्री के द्वारा तपस्या किए जाने एवं ब्रह्मा–गायत्री महायज्ञ किए जाने के कारण भी पवित्र, दिव्य, पापनाशक व मोक्षदायक है।

ब्रह्मा जी का महायज्ञ

ब्रह्मा जी के पुत्र प्रजापति दक्ष ने पुलस्त्य मरीचि, अंगिरा, पुलह व कृत ऋषियों के साथ यहां आकर ब्रह्मा जी से यह प्रार्थना की कि ''हे जगतपिता, आप इस जगत के कल्याण के लिए जो भी कार्य करेंगे हम उस में अपने यथा योग्य सहयोग कर आपके महान कार्यों में भागीदार होने का सौभाग्य प्राप्त करेंगे।'' इसी समय वहां बारहों आदित्य, ग्यारह रुद्र, दोनों अश्विनी कुमार, आठों बसु, महाबली मरुद गण, इंद्र, कुबेर एवं स्वयं श्री भगवान नारायण भी पधारे और ब्रह्मा जी के कार्यों में सम्मिलित होने की प्रार्थना की। ब्रह्मा जी ने लोक कल्याण की इस सद् इच्छा से एक महायज्ञ करने की इच्छा प्रकट की एवं सभी को सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया। ब्रह्मा जी ने भगवान शिव से प्रार्थना की कि वे इस यज्ञ की रक्षा हेतु पधारें। भगवान शिव ने पुष्कर के चारों ओर बैजनाथ, कुकड़ेश्वर– मकड़ेश्वर, अजगंधा एवं झरणेश्वर स्थानों पर अपने गणों को सुरक्षा हेतु स्थापित किया।

महायज्ञ और माता सावित्री

यज्ञ की सभी तैयारियां हो चुकी थीं। ऋग्वेद के श्रेष्ठतम् ज्ञाता ऋषियों– भृगू, मारीच, पुलस्त्य, सुगति, अत्रि, रैम्य, नारद, गर्ग, भरद्वाज, पाराशर, गौतम, शांडिल्य, अंगिरा आदि ने यज्ञ की समस्त तैयारियां पूर्ण कर लीं। जगत–पालक भगवान विष्णु, देवों

के देव महादेव, इंद्र व सभी सुर–असुर, अप्सराएं आदि यज्ञ के दर्शन हेतु आकर विराजमान हो गए।

यज्ञ आरंभ करने के लिए ऋषियों ने ब्रह्मा जी से माता सावित्री को बुलाने का आग्रह किया क्योंकि बिना पत्नी के यज्ञ पूर्ण होना संभव नहीं होता है। तब परमपिता ने अपने पुत्र नारद ऋषि को सावित्री माता को बुलाने हेतु भेजा। माता सावित्री ने जब यज्ञ के बारे में पूछा तो नारद मुनि ने बताया कि सभी वहां सज–धज कर आए हैं। वातावरण सुरम्य व शोभित है तो माता सावित्री ने भी सज–धज कर अपनी सखियोंऋषि पत्नियों के साथ आने की सोची परंतु जब यज्ञ में आने में उन्हें विलंब होने लगा और यज्ञ का शुभ मुहूर्त निकलने लगा तब यह विचार किया गया कि किसी सुंदर कन्या का ब्रह्मा जी के साथ विवाह करवाकर यज्ञ को शुभ मुहूर्त रहते संपन्न किया जाए।

माता गायत्री की उत्पत्ति

ब्रह्मा जी की आज्ञा से इंद्रदेव पुष्पक विमान में बैठकर किसी योग्य सुंदर कन्या की तलाश में निकले और तभी उन्हें एक अत्यंत सुंदर कन्या सिर पर छाछ और दही के घड़े को लेकर जाती हुई नजर आई। इंद्र उस कन्या को अपने साथ यज्ञ स्थान पर ब्रह्मा जी के सम्मुख ले आए। देवताओं के कहने पर इस कन्या को मंत्रोच्चार के साथ गाय के मुख की तरफ से डाल कर पूंछ की तरफ से निकाला गया एवं पवित्र जल से स्नान कराकर सुंदर वस्त्र आभूषण पहना कर ब्रह्मा जी के साथ गंधर्व विवाह कराया गया। इस प्रकार गाय से उपजी कन्या का नाम ''गायत्री''(गाय की पुत्री) रख ब्रह्मा जी ने उसे अपनी पत्नी रूप में स्वीकार कर यज्ञ प्रारंभ किया।

भगवान शिव की लीला

यज्ञ चल रहा था और पूरा वातावरण यज्ञ मंत्रों की ध्वनि व सुगंध से परिपूर्ण था सभी महादेव ने अटपटा सा रूप धारण कर नरमुंडो की माला एवं हाथ में कपाल लिए आ गए। लोग उन्हें इस अटपटे रूप में पहचान नहीं पाए और उन्हें यज्ञ स्थल से बाहर कर दिया। महादेव अपने हाथ में लिए उस नर–कपाल को वही पटक कर चले गए। देवताओं ने उसे बाहर फिंकवा दिया तो एक की जगह दो, फिर दो की जगह चार, चार की जगह आठ व देखते ही देखते सैकड़ों कपाल बढ़ते चले गए। ब्रह्मा जी ने तुरंत ही शिव जी की इस माया को पहचान लिया वह उनकी स्तुति करते हुए बोले कि ''आपके इस अटपटे रूप को व आपके इस नर–कपाल की माया को समझना सबके वश में नहीं है इसीलिए हे महादेव ! मैं इस स्थल पर शिवलिंग की स्थापना करता हूं जिसे 'अटपटेश्वर महादेव' के नाम से जाना जाएगा एवं आपने जहां कपाल गिराया था वहां कपालेश्वर महादेव की स्थापना की जाएगी''। पुष्कर सरोवर में स्नान कर जो भी प्राणी अटपटेश्वर महादेव के दर्शन करेगा वह परम गति को प्राप्त होगा।

सावित्री माता का रोष एवं सावित्री मंदिर

सावित्री माता जब तैयार होकर यज्ञ स्थल पर पहुंची तब उन्होंने ब्रह्मा जी को गायत्री के साथ यज्ञ वेदी पर बैठे यज्ञ करते देखा जिससे वह क्रोधित हो उठीं और उन्होंने ब्रह्मा जी को क्रोध में श्राप दिया कि पुष्कर के अलावा पृथ्वी पर कहीं भी उनकी पूजा नहीं की जाएगी। यही कारण है कि तभी सेब्रह्मा जी का पृथ्वी पर कहीं भी पुष्कर के अलावा मंदिर नहीं है। क्रोध में सावित्री माता का चेहरा काला पड़ गया और वे कोलकाता में काली मां के नाम से प्रकटव स्थापित हुईं। फिर ब्रह्मा जी ने माता सावित्री के क्रोध को शांत किया और उन्हें पूरा वृतांत बताते हुए गायत्री माता के उद्भव का कारण व उनके द्वारा जगत कल्याण के बारे में बताया। तब सावित्री माता ने स्वयं पुष्कर सरोवर के यज्ञ वेदी के निकट रत्नागिरी पर्वत पर घोर तप किया एवं पुष्कर तीर्थ को तपोभूमि बना दिया।

मोक्ष धाम पुष्कर

इस प्रकार पुष्कर तीर्थ में दर्शन व पूजा मात्र से प्राणी को स्वर्ग की प्राप्ति होती है। इस तीर्थ के कार्तिक शुक्ल पक्ष के अंतिम 5 दिनों एकादशी /ग्यारस से पूर्णिमा तक जो प्राणी पुष्कर तीर्थ में स्नान, पूजा, दर्शन, तप करेगा उसे अवश्य ही मोक्ष की प्राप्ति होती है। इन्हीं दिनों पुष्कर का विश्व प्रसिद्ध मेला भरता है। इस मेले में भाग लेने देश के कोने–कोने से श्रद्धालु आकर पुण्य प्राप्त करते हैं। पुष्कर विदेशी सैलानियों की सर्वाधिक पसंदीदा जगहों में से एक है। पुष्कर में विदेशी सैलानी अपनी चकाचौंध भागदौड़ भरे भौतिक जीवन से कुछ समय निकालकर तपोभूमि पुष्कर में सुकून व शांति से व्यतीत करते हैं एवं आत्मिक शांति व शक्ति का अनुभव करते हैं, इसलिए पुष्कर में वर्ष–प्रतिवर्ष विदेशी सैलानियों की संख्या बढ़ती ही जा रही है।

पुष्कर के अन्य दर्शनीय स्थल व उनके महत्व

पुष्कर सरोवर में यात्रियों के स्नानार्थ 52 घाट बने हुए हैं जिनमें गऊघाट, ब्रह्मघाट, एवं वराहघाट प्रमुख हैं। जहां प्रातः काल एवं संध्या समय पुष्कर राज परमपिता की आरती, श्रृंगार, स्तुति, भजन आदि होते हैं। प्रत्येक एकादशी को संध्या काल में गौघाट पर हरि कीर्तन होता है एवं जल–झूलनी एकादशी को विशेष पूजा पाठ किया जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार इसी घाट पर माता गायत्री को गऊ द्वारा शुद्धिकरण किया गया था। इसी घाट पर सिखों के दसवें गुरु 'गुरुगोविंद सिंह जी' ने संवत 1762 ईस्वी में 'गुरुग्रंथ साहिब' का पाठ किया था। ब्रह्म घाट ब्रह्मा जी का मुख्य घाट है जहां आदि शंकराचार्य एवं महामंडलेश्वरों ने भी स्नान पूजा की व कालांतर में जयेंद्र सरस्वती जी ने ब्रह्मघाट पर आदि शंकराचार्य का मंदिर बनवाया। वराह घाट पर चैत्र मास में भगवान वेंकटेश (विष्णु) एवं वेणुगोपाल जी का पूजन, अभिषेक का विशेष आयोजन किया जाता है।

ब्रह्मा जी के कमल पुष्प के गिरने से तीन जगहों पर पाताल से निर्मल जल प्रस्फुटित हुआ जिसे स्वयं ब्रह्मा जी ने ज्येष्ठ ब्रह्मा, मध्य (विष्णु) एवं कनिष्ठ (रूद्र/शंकर) पुष्कर का नाम देकर अपना धाम बताया।

तीर्थराज पुष्कर के एक बार दर्शन करने के बाद बार–बार आने की प्रबल इच्छा होती है।

।। ॐ ब्रह्म देवाय नमः ।।

गतिविधि पञ्चांग

राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

गतिविधि का नाम	स्थान	दिनांक
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न. 1	21 से 25.12.2023 तक
युवा दिवस	स्थानीय संघ /जिला स्तर पर	12.01.2024
स्थानीय संघ स्तरीय रैलियां	स्थानीय संघ स्तर	17 से 22.01.2024 तक
हिमालय वुड बैज कोर्स – स्काउट गाइड विंग	पुष्करघाटी, अजमेर	17 से 23.01.2024 तक
प्रेसिडेंट स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर तैयारी शिविर	मण्डल स्तर पर	18 से 22.01.2024 तक

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
National Rover/Ranger Carnival	21 - 25 December, 2023	Belagavi, Karnataka
National Level Environment Awareness Cum Desert Trekking Programme on Fit India initiative	24 - 30 December, 2023	Bikaner, Rajasthan
National Level Youth Colloquium	09 - 13 January, 2024	Bhubaneswar, Odisha
National Level Workshop on My Rights and Me – National Girl Child Day on STEAM	22 - 26 January, 2024	NYC, Gadpuri, Haryana
National Integration Camp	19 - 23 February, 2024	NYC, Gadpuri, Haryana
National Level Cub/Bulbul Utsav	19 - 23 February, 2024	NYC, Gadpuri, Haryana

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
9th National Girl Scout Jamboree	29 Jan - 02 Feb. 2024	Yunlin County, Taiwan
10th National Jamboree - 2024 - Sri Lanka	20 - 26 February, 2024	Trincomalee
Juliette Low Seminar (JLS) 2024, WAGGGS' Leadership Development Programme for young people	April to December 2024	Virtual
JamBrownee at Pax Lodge World Centre	30 May - 02 June 2024	London, United Kingdom
Jamscout 2024- National Scout Jamboree in Spain	13 - 21 July 2024	Cobaleda, Soria
16th World Scout Moot 2025	25 July - 03 August, 2025	Lisboa, Portugal

National Headquarters website : www.bsgindia.org

मतदान केन्द्र पर वृद्ध व निशक्तजन की सेवा में रोवर/रेंजर

सीकर

भरतपुर

हनुमानगढ़

चूरू

जयपुर

बाड़मेर

दौसा

अजमेर

भीलवाड़ा

झुन्झुनू

झालावाड़

भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस पर स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य द्वारा फ्लेग स्टीकर का विमोचन

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835
प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti